सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना फिर से बनीं नंबर 1 -पेज: 7

लक्ष्मी मांचू ने अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 160 | बुधवार 17 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अब और मोहलत नहीं! महाराष्ट्र निकाय चुनाव में देरी पर एससी खफा, कहा- 2026 तक कराएं मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को राज्य में 31 जनवरी, 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने राज्य के अधिकारियों को 10 अक्टूबर तक परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पारित किया। शीर्ष अदालत ने राज्य चुनाव आयोग पर 6 मई को स्थानीय निकाय चुनावों की घोषणा चार सप्ताह के भीतर करने और चार महीने के भीतर चुनाव कराने के स्पष्ट आदेश के बावजूद तुरंत कार्रवाई न करने के लिए असंतोष व्यक्त किया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा, "क्या चुनाव पहले ही हो चुके हैं?" उन्होंने मई के उस आदेश का हवाला दिया जिसमें चार महीने के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया गया था। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा कि प्रक्रिया जारी है।

अमित शाह ने कहा- मोदी सरकार देश से सभी नशीले पदार्थों को खत्म करने का प्रयास कर रही है

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि मादक द्रव्यों के खतरे के खिलाफ कार्रवाई के पैमाने को बदलने का समय आ गया है ताकि आने वाले दिनों में और अधिक सफलताएं मिलें। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित यह सम्मेलन मंगलवार को यहां शुरू हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस सपने को साकार करने के लिए देश को पूरी तरह सुरक्षित होना होगा। शाह ने कहा, मोदी सरकार देश से मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।" उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक एक ऐसे भारत के निर्माण का दृष्टिकोण रखा है जो हर पहलू में दुनिया का नंबर एक और पूर्ण विकसित देश होगा - एक ऐसा सुरक्षित राष्ट्र जिसे कोई भी भेद न सके। इसके लिए, हमारे युवा सबसे बड़ी उम्मीद हैं, और अगर वे दृढ़ निश्चयी हों, तो कुछ भी असंभव नहीं है, क्योंकि वे किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं।" शाह ने कहा कि दुनिया के

लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार देश से सभी प्रकार के नशीले पदार्थों का सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

कुछ हिस्सों में, लोगों ने राष्ट्र के विकास और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की चुनौती के बीच संबंध देखा है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, जिन दो क्षेत्रों से दुनिया भर में मादक पदार्थों की आपूर्ति होती है, वे हमारे बहुत करीब हैं। इसलिए यही समय है कि हम इसके खिलाफ मजबूती से लड़ें।" गृह मंत्री ने कहा कि पूर्ण विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा पीढ़ी को नशे से बचाना बहुत जरूरी है। शाह ने कहा कि किसी भी महान राज्य की नींव उसकी युवा पीढ़ी होती है। शाह ने कहा कि तीन प्रकार के मादक पदार्थ गिरोह हैं - एक, जो देश के सभी प्रवेश बिंदुओं पर काम करते हैं, दूसरे वे हैं जो प्रवेश बिंदु से राज्य तक वितरण करते हैं, और तीसरे वे हैं जो छोटी दुकानों में नशीले द्रव्य बेचते हैं। गृह मंत्री ने कहा, इन तीन प्रकार के गिरोहों को करारा झटका देने का समय आ गया है। मेरा मानना है कि यह तभी संभव है जब मादक पदार्थों के खिलाफ काम करने वाले अधिकारी इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला करें।" शाह ने देश के विभिन्न हिस्सों में जब्त 4,794 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू की। सोमवार को शाह ने कहा था कि मोदी सरकार सभी एएनटीएफ (मादक पदार्थ रोधी कार्य बल) को एकजुट करके मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एनसीबी की वार्षिक रिपोर्ट 2024 भी जारी की।

सोनिया-राहुल ने मॉरीशस पीएम से की भेंट, साझा संस्कृति और संबंधों पर गहन चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से राष्ट्रीय राजधानी में मुलाकात की। यह मुलाकात मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा के दौरान हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों की पुष्टि की। राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, "सीपीपी अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के साथ, मुझे मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री महामहिम डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। हमने दोनों देशों और लोगों को जोड़ने वाली गहरी और

स्थायी मित्रता के बारे में बात की।" प्रधानमंत्री रामगुलाम वर्तमान में 9 सितंबर से 16 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं, इस दौरान वे कई राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में मॉरीशस के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जहाँ दोनों नेताओं ने नई दिल्ली और पोर्ट लुई के बीच अद्वितीय और स्थायी द्विपक्षीय संबंधों पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन द्वारा पर प्रकाशित एक पोस्ट में, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को स्वीकार किया, जो उनके साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों में निहित हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रधानमंत्री रामगुलाम के नेतृत्व अनुभव पर विश्वास व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में ये संबंध और भी मजबूत होंगे। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी पोस्ट में कहा गया है, "मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध अद्वितीय हैं, जो हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री रामगुलाम के व्यापक नेतृत्व अनुभव के साथ, भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और मजबूत होंगे।"

वाराणसी में धूमधाम से मनाया जाएगा पीएम मोदी का 75वां जन्मदिन, काटा जाएगा 75 किलो का केक

वाराणसी (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर वाराणसी नगर निगम 111 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेगा। वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी ने बताया कि इसके साथ ही नगर निगम प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर 75 किलो का केक भी काटेगा। 75 वर्ष के हो जाएंगे मोदी प्रधानमंत्री मोदी बुधवार (17 सितंबर) को 75 वर्ष के हो जाएंगे। मोदी का जन्म 17 सितंबर, 1950 को गुजरात के एक छोटे से कस्बे में हुआ था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ जून, 2024 को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया। वे जवाहरलाल नेहरू के बाद पहले गैर-कांग्रेसी नेता हैं जिन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है। वाराणसी के महापौर

अशोक तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर नगर निगम एक कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें 111 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। 65.68 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होगा तिवारी ने बताया कि शहर के सभी आठ अंचलों और पांच विधानसभा क्षेत्रों में 63.76 करोड़ रुपये की लागत से 65.68 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण, मरम्मत और जल निकासी का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर के 75 कुओं की सफाई और जीर्णोद्धार का काम 1.18 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। तिवारी ने कहा कि पांडेयपुर फ्लाईओवर के नीचे 30 लोगों की क्षमता वाले आश्रय गृह का निर्माण 30.28 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। तिवारी ने बताया कि मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में कजरी महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। महारुद्राभिषेक का भी होगा आयोजन इस कार्यक्रम में लोक गायिका पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, रागिनी चंद्रा और प्रियंका चौहान प्रस्तुति देंगी। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, देश की अखंडता और उन्हें सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री पद पर बनाए रखने की कामना के लिए संत बाबा श्री काशी विश्वनाथ का 1100 कमल पुष्पों से सहस्त्रार्चन करेंगे, जिसके बाद महारुद्राभिषेक का आयोजन होगा। इस अनुष्ठान में काशी के संत और विद्वान शामिल होंगे।

इंदौर हादसे के बीच सुर्खियों में आ गया राज रघुवंशी और उसका दोस्त, सीएम मोहन ने की इनाम भी घोषणा

इंदौर (एजेंसी): मध्य प्रदेश के इंदौर में वीआईपी रोड पर हुए हादसे का आंखों देखा मंजर देख-सुन कर हर कोई दहशत में हैं। जहां शराबी ड्राइवर ने 2 किमी दूर तक ट्रक को ऐसा दौड़ाया मानों सड़क पर मौत दौड़ रही हो। जो भी सामने आया कुचलता चला गया। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, वहीं तीन लोगों की मौत हो चुकी है। दहशत और खौफ के साए के बीच एक सकून देने वाली तस्वीर निकलकर सामने आई है। जिसने लोगों के साथ साथ प्रदेश के मुखिया के दिल में भी जगह बना ली। दरअसल, हादसे के बाद ट्रक में आग लग गई। आग की लपटों के बीच ड्राइवर और ट्रक के नीचे एक शख्स जल रहे थे। लोग अपनी अपनी जान बचाकर दूर खड़े होकर भयानक दृश्य का वीडियो शूट कर रहे थे। तभी भीड़ में से एक लड़का राज रघुवंशी बाहर आता है और जलते ट्रक की ओर बढ़ता है। हालांकि वहां मौजूद लोगों

ने आवाज लगाकर उसे रोकने की कोशिश की। कहा कि कुछ भी हो सकता है। लेकिन लड़का तेजी से आगे बढ़ता है और पहले ड्राइवक को ट्रक में से बाहर निकाल लेता है, फिर नीचे जल रहे शख्स को बाहर की ओर खींचता है। उसका दोस्त उसका हाथ थाम लेता है और वह उस जल रहे शख्स को बचाने में कामयाब हो जाते हैं। राज रघुवंशी और उसके दोस्त की बहादुरी का किस्सा सुनकर खुद मुख्यमंत्री भी कायल हो जाते हैं। उन्होंने राज से बात की राज ने मुख्यमंत्री को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। मुख्यमंत्री बातें सुनकर इतना खुश हुए कि जाते जाते राज और उसके दोस्त को एक एक लाख रुपये इनाम के रूप में देने की बात इंदौर पुलिस कमिश्नर को कही। वहीं राज ने मीडिया से बात करते हुए कल रात को वह पूरे घटनाक्रम का ज़िक्र किया कि किस तरीके से ड्राइवर और घायल को बचाया।

कांग्रेस का राजद पर दबाव, 70 में से 27 जिताऊ सीटों पर अड़ी, क्या बनेगी बात?

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर बातचीत जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे तनाव भी देखने को मिल रहा है। कांग्रेस द्वारा अच्छी और बुरी सीटों के बंटवारे में संतुलन की माँग ने बातचीत को और पेचीदा बना दिया है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि हर राज्य में अच्छी और बुरी सीटें होती हैं। अल्लावरु ने कहा कि और ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक पार्टी को सारी अच्छी सीटें मिलें और दूसरी को बुरी सीटें। सीटों के बंटवारे में अच्छी और बुरी सीटों के बीच संतुलन होना चाहिए। गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 19 सीटें ही जीत पाई थी। 2015 के बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने 41 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 27 सीटें जीती थीं। राजद सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद, सरकार न

बना पाने के लिए कांग्रेस पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया गया था। 2020 के चुनावों में, राजद ने कुल 144 सीटों पर चुनाव लड़कर 75 सीटें हासिल की थीं। अब, कांग्रेस ने एक बार फिर तेजस्वी यादव से 70 सीटें मांगी हैं और कम से कम 27 सीटों पर मजबूत प्रदर्शन और बाकी पर कड़े मुकाबले का भरोसा जताया है। कांग्रेस जिन सीटों को "अच्छी" श्रेणी में रखती है, वे वे हैं जहाँ पार्टी 2020 के विधानसभा चुनावों में या तो जीती थी या कम अंतर से हारी थी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि हमारा दावा उन सभी 19 सीटों पर होगा जहाँ कांग्रेस ने 2020 में जीत हासिल की थी। और उन सीटों पर भी जहाँ पार्टी के उम्मीदवार लगभग 5,000 वोटों के अंतर से हारे थे। मौजूदा माहौल में, जब राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा ने पूरे बिहार में इंडिया ब्लॉक कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है, हमें यकीन है कि हम सहयोगियों के सहयोग से ऐसी सीटें जीत सकते हैं। नेता ने आगे कहा कि बंटवारा इस तरह नहीं होना चाहिए कि कांग्रेस को सिर्फ. वही सीटें मिलें जहाँ राजद और उसके सहयोगी दल पिछले चुनावों में जीत नहीं पाए थे। साथ ही, ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि एक ही पार्टी को वे सारी सीटें मिल जाएँ जहाँ सामाजिक समीकरण महागठबंधन के पक्ष में हों। दूसरी ओर, बिहार में इंडिया ब्लॉक में इस चुनाव में कुल आठ दल शामिल होंगे। मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी, जो पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए का हिस्सा थी, अब इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बन गई है, क्योंकि वह बिहार में अगली सरकार बनने पर उपमुख्यमंत्री पद की मांग कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी) और हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के भी इस गठबंधन में शामिल होने की उम्मीद है।

देशभर में एक साथ एसआईआर होने पर हट जाएंगे 15 करोड़ मतदाताओं के नाम, लिस्ट में कौन-कौन हो सकते हैं शामिल?

नई दिल्ली (एजेंसी): बिहार में हो रहे एसआईआर में जिस तरह 65 लाख मतदाताओं के नाम हटे और उसे ठोस चुनौती भी नहीं मिली उससे यह भी आकलन लगाया जाने लगा है कि पूरे देश में एसआईआर हुआ तो लगभग पंद्रह करोड़ ऐसे मतदाताओं के नाम हट सकते है जो या तो मृत हो चुके है या फिर दोहरा इपिक रखे हुए हैं या स्थानांतरित हो चुके हैं। यह अनुमान इसलिए भी लगाया जा रहा है क्योंकि बिहार में एसआईआर के दौरान करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट गए है। इनमें बड़ी संख्या में मृत,स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाताओं के अतिरिक्त बांग्लादेश व नेपाल आदि देशों से आए विदेशी नागरिक भी शामिल है। कितने हैं भारत में मतदाता? मौजूदा समय में देश की मतदाता सूची में करीब सौ करोड़ मतदाताओं के नाम दर्ज है। मतदाता सूची से इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों के हटने का अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है क्योंकि देश के अधिकांश राज्यों में इससे पहले एसआईआर बिहार के साथ 20 वर्ष पहले यानी वर्ष 2003 से 2005 के बीच हुआ था। चुनाव आयोग से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक ऐसे में बिहार जैसी स्थिति देश के दूसरे राज्यों में भी देखने को मिलेगी। जहां मतदाता सूची में शामिल

बड़ी संख्या में मृत, स्थानांतरित व दो जगहों से नाम दर्ज कराने वाले मतदाता मिलेंगे। इनमें भी पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल,ओडिशा और उत्तर प्रदेश में ऐसे मतदाताओं की संख्या बिहार से भी अधिक देखने को मिल सकती है। इसकी वजह स्थानांतरण और घुसपैठ दोनों है। बिहार में कितनी थी मतदाताओं की

बिहार में हुए एसआईआर में 65 लाख मतदाताओं के नाम हटने से अनुमान है कि पूरे देश में यह प्रक्रिया होने पर लगभग 15 करोड़ मतदाताओं के नाम हट सकते हैं

संख्या? आयोग के मुताबिक बिहार में एसआईआर से पहले मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ थी, जबकि ड्राफ्ट सूची में इनमें से कुल 7.24 करोड़ मतदाताओं को जगह मिली। यानी इनमें से 65 लाख पहले दौर में ही बाहर हो गए। संदिग्ध नागरिकता के आधार पर ही तीन लाख लोगों को नोटिस दिया गया है। सूत्रों का दावा है कि ड्राफ्ट सूची पर किए गए दावे-आपत्तियों में भी करीब तीन लाख से अधिक दावे-आपत्तियां नाम काटने के लिए ही किए गए है। ऐसे में माना जा रहा है कि ड्राफ्ट सूची से भी और भी मतदाता अलग-अलग वजहों से बाहर हो सकते है। एक अनुमान के मुताबिक करीब दस प्रतिशत मतदाताओं के नाम मौजूदा मतदाता सूची से हट सकते है। हालांकि यह स्थिति 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होने के बाद ही साफ हो सकेगी।

तो मतदान प्रतिशत में आएगी बड़ी उछाल

आयोग से जुड़े विश्लेषकों के मुताबिक देश भर में एसआईआर होने से जहां मतदाता सूची की गड़बड़ियां दूर हो जाएगी, वहीं इसका स्वतः असर मतदान प्रतिशत पर पड़ेगा। एक अनुमान के मुताबिक यदि देश भर की मतदाता सूची से करीब 15 करोड़ लोगों के नाम हट जाएंगे, तो मतदान प्रतिशत में करीब दस प्रतिशत का उछाल दिखेगा। उदाहरण के तौर पर 2024 में सौ करोड़ मतदाताओं की संख्या पर हुए चुनाव में जहां करीब 66 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं 85 करोड़ मतदाताओं पर होने पर मतदान का प्रतिशत करीब 77 प्रतिशत हो जाएगा।

संपादकीय

खेलों में स्वर्णिम दिन

भारतीय खेलों के लिए बीता रविवार यानी 14 सितम्बर का दिन स्वर्णिम साबित हुआ। दिन की शुरूआत महिला बॉक्सर जेस्मीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा के स्वर्णिम पंच से हुई। इसके बाद देश में खुशी का माहौल बनाने वाली खबर दुबई से आई। भारत ने वहां चल रहे क्रिकेट एशिया कप में अपनी परंपरागत प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को फतह ही नहीं किया, बल्कि यों कहें कि एकदम से ध्वस्त कर दिया। वैसे तो पहलगाम घटना की वजह से देश में एक वर्ग पाकिस्तान से खेलने का विरोध कर रहा था। पर सरकार ने आईसीसी टूर्नामेंटों में खेलने की नीति की वजह से इसमें खेलना स्वीकार किया। पर भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में जीत पाकर देश के क्रिकेटप्रेमियों को खुश कर दिया। वहीं जीत के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार करके अपना विरोध भी जता दिया। भारत और पाकिस्तान के इस मुकाबले के लिए स्टेडियम के खचाखच भरे होने से यह बात तो समझ में आती है कि इस मुकाबले को लेकर लोगों में अभी भी दीवानगी बनी हुई है। इस मुकाबले से एक बात यह भी साफ हो गई कि भारतीय टीम में भले ही रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज शामिल नहीं हैं। पर वे पाकिस्तान टीम से बहुत आगे निकल चुके हैं। यह सही है कि देश में क्रिकेट की दीवानगी के आगे सभी खेल बौने नजर आते हैं। पर बॉक्सिंग में आए दोहरे गोल्ड के भी बहुत मायने हैं। भारतीय बॉक्सिंग में पिछले काफी समय से सफलताएं आना कम हो गई थीं, लेकिन जेस्मीन और मीनाक्षी ने गोल्डन पंच लगाकर यह अहसास करा दिया है कि आने वाला समय उनका है। इस तरह के प्रदर्शनों से यह संकेत भी मिलता है कि भारत का ओलंपिक खेलों की बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल से दूरी जल्द खत्म हो सकती है। यह दिन भारतीय बैडमिंटन के लिए भी अच्छा साबित हुआ। इसमें भारतीय खिलाड़ी कोई खिताब तो नहीं जीत सके। पर उनका प्रदर्शन भविष्य में दबदबे का भरोसा जताने वाला जरूर रहा। हांगकांग ओपन में भारत के लक्ष्य सेन ने पुरुष एकल में सात्विक साईराज-चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पुरुष डबल्स के फाइनल तक चुनौती पेश की। लक्ष्य पिछले काफी समय से रंगत से बाहर चल रहे थे और डबल्स जोड़ी भी एक महीने पहले तक कुछ खास नहीं कर पा रही थी, लेकिन अब लगता है कि बैडमिंटन में भी भारतीय तूती बोलने वाली है। भारतीय खेलों में ऐसे खुशी के लम्हे एक साथ कम ही आते हैं।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

मां क्या होती है*

मां वो है,जो हमें जीवन देती है।
मां एक उजाला है,जिसके न रहने पर।।
जीवन में भर जाता है अंधकार।
मां जैसा जीवन में,दे नहीं सकता कोई प्यार ।।
मां हमे बचपन में,कहानी सुनाती थी।
मां के गोद में सिर रख के, नींद बहुत अच्छी आती थी।।
मंजिल बहुत ऊंची चढ़ा था में,लेकिन कुछ हाथ नहीं आया।
मां के प्यार ने उठाया मैं।।
मां मेरे लिए सबसे खाश है।
तू ही ममता की मूरत तू ही मेरे लिए भगवान है।
मां तो मां ही होती है, जो हर हाल में अपने बच्चों को पहचान लेती है।।

वतन कुमार

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ धमोरा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निमार्ता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निमार्ता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है। विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेतायुग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव के त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे। सीता स्वयंवर में जिस धनुष को श्रीराम ने तोड़ा था वह भी विश्वकर्मा के हाथों बना था। जिस रथ पर निर्भर रहकर श्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन संसार को भस्म करने की शक्ति रखते थे उसके निमार्ता विश्वकर्मा ही थे। पार्वती के विवाह के लिए जो मण्डप और वेदी बनाई गई थी वह भी विश्वकर्मा ने ही तैयार की थी। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवानशिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवानशिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांगलिया। भगवान शिव ने उसे महल देकर वापस पर्वतों पर चले गए। विश्वकर्मा ने देवताओं के लिए उड़ने वाले रथों का निर्माण किया था। विश्वकर्मा ने देवताओं के राजा इंद्र का हथियार वज्र का निर्माण किया था। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान विष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रारम्भ की थी। जिसमें अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 18 व्यवसायों में लगे कारीगर और शिल्पकार शामिल हैं, जैसे बढ़ई, नाव निमार्ता, कवचकार, लोहार, हथौड़ा और औजार बनाने वाला, ताला बनाने वाला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, चर्मकार, जूते बनाने वाला, राजमिस्त्री, टोकरी,चटाई, झाड़ू बनाने वाला, बुनकर, गुड़िया और खिलौने बनाने वाला (पारंपरिक), नाई, माला बनाने वाला (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले लोग शामिल हैं।

बस्तर : आदिवासियों में जग रहा भरोसा

आभा मिश्रा

किसी भी राज्य में औद्योगिक विस्तार और निवेश को आकर्षित करने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति और जनता में सरकार के प्रति भरोसा। छत्तीसगढ़ अपने जन्म के समय से ही नक्सलवादी हिंसा से जूझता रहा है।

खासतौर पर बस्तर का इलाका तो छत्तीसगढ़ बनने से पहले भी नक्सलवादियों का गढ़ रहा है। विकास की कमी और आम जनता पर नक्सलियों की पकड़ ने इस क्षेत्र को हमेशा पीछे रखा, लेकिन अब स्थितियां बदल रही हैं। आदिवासी बहुल इस प्रदेश में विष्णु देव साय के प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री बनने का असर अब साफ दिखने लगा है। राज्य पुलिस ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर नक्सलियों पर काफी हद तक न केवल नकेल कसी है बल्कि आदिवासी होने के नाते मुख्यमंत्री साय में राज्य के लोगों का भरोसा भी बढ़ रहा है।

यही वजह है कि बस्तर अब भय और पिछड़ेपन से निकलकर विकास और विश्वास के नये धरातल पर खड़ा है और शांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी उपेक्षा और अभाव की पहचान से जूझने वाला यह क्षेत्र अब निवेश, अवसर और रोजगार का नया केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री के प्रति प्रदेश के लोगों में बढ़ता भरोसा और केंद्र सरकार के नक्सल विरोधी अभियानों से न केवल इस क्षेत्र में उद्योग और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन तक हर क्षेत्र में बदलाव दिखने लगा है, बल्कि उम्मीद और विश्वास की नई किरण जगी है। पिछले 20 महीनों में मुख्यमंत्री बस्तर के 100 से अधिक इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों ने जनता में उनकी विसनीयता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्षेत्र में नक्सलवाद पर नियंत्रण ने विकास कार्य की राह सुगम की है।

इसी का नतीजा है कि बस्तर संभाग के जगदलपुर में पहली बार 350 बेड का मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। इस पर 550 करोड़ रुपये की लागत आएगी और 200 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसी क्रम में जगदलपुर में नवभारत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा 85 करोड़ रुपये के निवेश से 200 बेड का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और 33 करोड़ रुपये के निवेश से एक अन्य मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल बनाया जा रहा है। यहां पर 7.65 करोड़ रुपये के निवेश से नमन क्लब एवं वेलनेस सेंटर भी शुरू होने जा रहा है। इन परियोजनाओं से बस्तर में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं वेलनेस का विस्तार होगा और सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा। यहां की जनता भी अब हिंसा से ऊब कर इस नये बदलाव को सहर्ष स्वीकार कर रही है। छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और इसे ह्यधान का कटोराह्ण कहा जाता है, लेकिन यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विस्तार जरूरत के अनुसार नहीं हो पाया।

मुख्यमंत्री ने इस कमी की भरपाई करने की योजना बनाई और इसी के तहत बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर और कोण्डागांव जिलों में आधुनिक राइस मिल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना की जा रही है। रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024 के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली या 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके तहत बस्तर में होटल, इको-टूरिज्म, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर स्पोर्ट्स और खेल सुविधाओं जैसी परियोजनाओं पर 45 प्रतिशत तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद अब तक प्रदेश सरकार के पास लगभग 6 लाख 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। बस्तर में न केवल नक्सलियों की गतिविधियों को कमजोर किया गया है, बल्कि विकास का माहौल भी तेजी से बन रहा है। पिछले 20 महीनों में 65 नये सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए हैं, जिनसे दुर्गम इलाकों में सुरक्षा का दायरा बढ़ा है और ग्रामीणों में आत्मविश्वास की भावना मजबूत हुई है। आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के लिए घोषित नई पुनर्वास नीति ने उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का बेहतर अवसर प्रदान किया है। नई नीति में वित्तीय सहायता बढ़ाई गई है और आवास व भूमि का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

नई नीति में आत्मसमर्पण करने वालों को तीन वर्षो तक प्रतिमाह 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता, शहरी क्षेत्र में चार डिसमिल जमीन या ग्रामीण क्षेत्र में एक हेक्टेयर कृषि भूमि उपलब्ध कराने का फैसला विष्णु देव साय सरकार ने किया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अब तक 90,273 युवाओं को विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें से 39,137 युवाओं को रोजगार मिला है।

प्रधानमंत्री का संवाद देश और दिलों को जोड़ता है

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना 75 वां जन्मदिन बुधवार को मनाएंगे। उनकी जीवन यात्रा रचना, सृजन और संघर्ष की त्रिवेणी है। उनके व्यक्तित्व का सबसे खास पक्ष है संचार और संवाद।

भारत जैसे महादेश को संबोधित करना आसान नहीं है। इस विविधता भरे देश में वाक् चातुर्य से भरे विद्वानों, राजनेताओं, प्रवचनकारों और अदीबों की कमी नहीं है। अपनी वाणी से सम्मोहित कर लेने वाले अनेक विद्वानों को हमने सुना और परखा है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्षमताएं उनमें विलक्षण हैं। वे हमारे समय के अप्रतिम संचारकर्ता हैं। संचार का विद्यार्थी होने के नाते मैं उनकी तरफ बहुत विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखता हूं, किंतु वे अपनी देहभाषा, भाव-भंगिमा, शब्दावली और वाक् चातुर्य से जो करते हैं, उसमें कमियां ढूंढ पाना मुश्किल है। उनका आत्मविश्वास और शैली तो विलक्षण है ही, वे जो कहते हैं उस बात पर भी सहज विश्वास करने का मन होता है। मोदी सही मायने में संवाद के महारथी हैं। वे जनसभाओं के नायक हैं तो एक्स जैसे नए माध्यमों पर भी उनकी तूती बोलती है। पारंपरिक मंचों से लेकर आधुनिक सोशल मीडिया मंचों पर उनकी धमाकेदार उपस्थिति बताती है संवाद और संचार को वे किस बेहतर अंदाज में समझते हैं।

गुजरात के एक छोटे से कस्बे बड़नगर में पले-बढ़े नरेंद्र मोदी में ऐसा क्या है जो लोगों को सम्मोहित करता है? उनकी राजनीतिक यात्रा भी विवादों से परे नहीं रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें जिस तरह निशाना बनाकर उनकी छवि मलिन करने के सचेतन प्रयास हुए, वे सारे प्रसंग लोकविमर्श में हैं। बावजूद इसके वे हिंदुस्तानी समाज के नायक बने हुए हैं तो इसके पीछे उनकी संप्रेषण कला और देहभाषा का अध्ययन प्रासंगिक हो जाता है। नरेंद्र मोदी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो कभी सांसद नहीं थे और पहली बार लोकसभा पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 के आमचुनावों की याद करें तो देश किस तरह निराशा और अवसाद से भरा हुआ था। लोग राजनीति और राजनेताओं से उम्मादें छोड़ चुके थे। अन्ना आंदोलन से एक अलग तरह का गुस्सा लोगों के मन में पनप रहा था। तभी एक आवाज गूंजती है 'मैं देश नहीं झुकने दूंगा।' दूसरी आवाज थी 'अच्छे दिन आने वाले हैं।' ये दो आवाजें थीं नरेंद्र मोदी की, जो देश को एक विकल्प देने के लिए मैदान में थे। राजनीति में आश्वासनपरक आवाजों का बहुत मतलब नहीं होता, क्योंकि राजनीति तो सपनों और आश्वासनों के आधार पर ही की जाती है। किंतु नरेंद्र मोदी ने इस दौर में जो कुछ कहा उसे देश ने बहुत ध्यान से सुना। उनका दल लंबे समय से सत्ता से बाहर था और वे अपने दल की ओर से प्रधानमंत्री के उम्मीदवार बनाए जा चुके थे। जाहिर है अवसाद और निराशा से भरी जनता को एक अवसर था परख करने का। मोदी इस अवसर का लाभ उठाते हैं और जनता के मन में भरोसा जगाने का प्रयास करते हैं। वे लगातार अपनी सभाओं में कहते हैं कि वे ही इस देश को उसके संकटों से उबार सकने की क्षमता से लैस हैं। जनता मुग्ध होकर उनके भाषणों को सुनती है। अपनी अप्रतिम संवादकला से वे लोगों में यह भरोसा जगाने में सफल हो जाते हैं कि वे कुछ कर सकते हैं।

2014 में मोदी सत्ता में आते हैं और संचार के सबसे प्रभावकारी माध्यम को साधते हैं। वे आकाशवाणी पर 'मन की बात' के माध्यम से लोगों से संवाद का अवसर चुनते हैं। यानि उनका संवाद अवसर और चुनाव केंद्रित नहीं है, निरंतर है। उनमें एक सातत्य है। बदलाव के लिए, परिवर्तन के लिए, लोकजागरण के लिए। वे मन की बात को राजनीतिक विमर्शों के बजाए लोकविमर्शों का केंद्र बनाते हैं। जिसमें जिंदगी की बात है, सफाई की बात है, शिक्षा और परीक्षा की बात है, योग की बात है। मन की बात के माध्यम से वे खुद को एक ऐसे अभिभावक की तरह पेश करने में सफल होते हैं, जिसे देश और देशवासियों की चिंता है। संवाद की यही सफलता है और यही उसका उद्देश्य है। अपने लक्ष्य समूह को निरंतर अपने साथ जोड़े रखना मोदी की संवाद कला की दूसरी सफलता है। करोना संकट में भी हमने देखा कि उनकी अपीलों को किस तरह जनमानस ने स्वीकार किया, चाहे वे करोना वारियर्स के सम्मान में दीप जलाने और थाली बजाने की ही क्यों न हों। यह बातें बताती हैं कि अपने नायक पर देश का भरोसा किस तरह कायम है।

मोदी अपनी देहभाषा से कमाल करते हैं। कई बार चौंकाते भी हैं। देश की गहरी समझ भी इसका बड़ा कारण है, यही कारण है वे देश के जिस हिस्से में होते हैं वहां की स्थानीय बोली, वस्त्रों और प्रतीकों का सचेत इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ ही उनकी पोशाकें, उनका हाफ कुर्ता, जैकेट्स आज एक तरह से स्टाइल स्टेटमेंट है। उनका अनुसरण कर नौजवान आज खद्दर और सूती कपड़ों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। हम विश्लेषण करें तो पाते हैं कि उनका समर्पित जीवन और ईमानदारी से उनकी वाणी का भी एक रिश्ता है। जब हम सिर्फ बोलते हैं तो उसका असर अलग होता है। किंतु अगर हम जो बोलते हैं उसमें कृतित्व भी शामिल हो तो बात का असर बढ़ जाता है। नरेंद्र मोदी अपनी असंदिग्ध ईमानदारी, राष्ट्रनिष्ठा और देशभक्ति के प्रतीक हैं। उनका समूचा जीवन राष्ट्र के लिए अर्पित है। ऐसा व्यक्ति जब कोई बात कहता है तो उसका असर बहुत ज्यादा होता है। क्योंकि आपकी वाणी को आपके जीवन का समर्थन है। सिर्फ देश की बात करना और देश के लिए जीना दो बातें हैं। मुझे लगता है जीवन और कर्म में एक रूप होने के नाते मोदी बाकी राजनेताओं से बहुत आगे निकल जाते हैं। क्योंकि उनकी राष्ट्रनिष्ठा पर सबको भरोसा है, इसलिए उनकी वाणी पर भी सहज विश्वास आता है। इस तरह उनकी वाणी 'भाषण' न होकर 'ह्दय से ह्दय के संवाद' में बदल जाती है। लोगों को भरोसा है कि वे हमारी ही बात कर रहे हैं और हमारे लिए ही कर रहे हैं। मोदी ने अपनी साधारण पृष्ठभूमि की बात कभी छिपाई नहीं, जब भी उनकी साधारण स्थितियों का मजाक बनाया गया तो उसे भी उन्होंने एक सफल अभियान में बदल दिया। 'चाय पर चर्चा' का कार्यक्रम किस तरह बना, उसके संदर्भ हम सबके ध्यान में हैं। नरेंद्र मोदी सही मायने में सामान्य जनों में भरोसा जगाते हैं कि अगर संकल्प हों, इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति क्या नहीं कर सकता। यह एक बात लोगों को उनसे कनेक्ट करती है। अनेक राजनेता हैं, जो साधारण पृष्ठभूमि से आए हैं। किंतु उनका या तो अपनी जड़ों से उनका रिश्ता टूट गया है या वे उन विथिकाओं को याद नहीं करना चाहते। जबकि नरेंद्र मोदी अपनी जड़ों को नहीं भूलते वे हमेशा उसे याद करते हैं और खुद पर भरोसा करते हैं। यही कारण है उनका कनेक्ट सीधा जनता से बनता है। वे प्रधानमंत्री होकर भी अपने से नजर आते हैं। संचार, संवाद और पोजिशिनिंग की यह कला उनमें सहज है। बिना जतन के भी वे इन सबको साधते हैं और साधते रहेंगें क्योंकि आसमान पर होकर भी माटी की सोंधी महक उन्हें जड़ों से जोड़े रखती है। इसलिए उनका संवाद दिलों को जोड़ता है, देश को भी।

सशक्त प्रहरी सुरक्षित गांव के अंतर्गत ग्राम प्रहरियों को की गई सामग्री वितरित

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रहरा पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में ग्राम प्रहरियों हेतु सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 36 ग्राम प्रहरियों को टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित किए गए । इस मौके पर ग्राम प्रहरियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें उनके कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि उनकी सतर्कता और सक्रियता से ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में

महत्वपूर्ण योगदान संभव है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा पुलिस लाईन अमरोहा में कुल 120 ग्राम प्रहरियों को साइकिल, टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित किए गए तथा शेष ग्राम प्रहरियों के सामान खरीदवाकर सभी थानों पर भिजवाया गया है। थानों द्वारा सभी ग्राम प्रहरियों को यह सामान वितरित कर सशक्त किया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक के द्वारा यह प्रयास ग्राम प्रहरियों को सशक्त बनाने और पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। टॉर्च से रात्रिकालीन गश्त सुगम होगी, आईडी कार्ड उनकी पहचान को सशक्त बनाएंगे तथा छाता व बैंत उनकी ड्यूटी को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। सभी थानों पर नियुक्त ग्राम प्रहरियों को यह सामाग्री वितरित की जा रही है ।

भा.कि.यूनियन (भानू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूल मालाओं से किया गया स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (भानू) का एक प्रोग्राम गजरोला में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ठाकुर भानु प्रताप सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष का जनपद के कार्यकताओं की टीम ने फूल मालाए पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के गजरौला आगमन पर कार्यकताओं में उत्साह देखने को मिला, और राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। जब कार्यकताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने का मालूम पड़ा, तो सुबह से ही गजरौला में लोगों की भीड़ एकत्र होनी शुरू हो चुकी थी। इस अवसर पर हसीन चौधरी उत्तर प्रदेश

महासचिव, हाशिम चौधरी जिला उपाध्यक्ष, अब्दुल रजाक शिक्षा मोर्चा जिला अध्यक्ष, जीशान चौधरी ब्लॉक प्रचार मंत्री, एहसान भाई जिला अध्यक्ष व्यापार मोर्चा संभल, अनस चौधरी अल्पसंखयंक मोर्चा तहसील अध्यक्ष, लोकेश चौहान तहसील अध्यक्ष, राहुल चौहान जिला उपाध्यक्ष युवा, चमन प्रधान जिला अध्यक्ष व हजारों की तादाद में लोग मौजूद रहे।

माटीकला के परम्परागत / प्रशिक्षित कारीगरों को निःशुल्क होगा विद्युत चालित चाक वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद अमरोहा में माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढ़ावा देने के लिए 30 निःशुल्क विद्युत चालित चाक एवं 05 पगमिल प्रदान किये जाने हैं। योजनान्तर्गत लाभार्थियों के चयन हेतु शासन द्वारा मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा की अध्यक्षता में चयन समिति गठित की गयी है। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा जनपद में लाभार्थियों के चयन के लिए दिनांक 24.09.2025 को विकास भवन सभागार, अमरोहा में लाभार्थी चयन समिति की बैठक आयोजित करने

हेतु निर्देश प्रदान किये गये है जिसमें परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी, गुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद, लेखा परीक्षक, उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, मुरादाबाद मण्डल, मुरादाबाद सदस्य एवं जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, अमरोहा संयोजक सदस्य हैं। समिति द्वारा साक्षात्कार के आधार पर लाभार्थियों का चयन किया जायेगा। उ०प्र० सरकार की मंशा के अनुसार मिट्टी के बर्तनों एवं खिलौनों, मूर्तियों आदि को बनाकर जिविकोपार्जन करने वाले ऐसे कुम्हारों एवं परम्परागत कारीगरों / शिल्पियों जिनकी उम्र 18 वर्ष से 55 वर्ष के बीच हो, को निःशुल्क माटीकला टूल किट्स (विद्युत चालित चाक) उपलब्ध कराया जाना है। माटीकला कारीगर/शिल्पी जिनके द्वारा पूर्व प्रकाशित सूचना के अनुसार योजना के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किया जा चुका है अथवा जो कारीगर/शिल्पी दिनांक 22 सितंबर की सांय तक upmatikalaboard.in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन करेंगें, उन्हें सूचित किया जाता है, कि दिनांक 24 सितंबर को सभागार विकास भवन, अमरोहा में दिन में 10:30 बजे तक साक्षात्कार हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज के जनपद स्तरीय विज्ञान व टी एल एम प्रदर्शनी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं शिक्षण अधिगम सामग्री (टी०एल०एम०) प्रदर्शनी का आयोजन कुन्दन मॉडल इण्टर कॉलेज अमरोहा के सभागार मे किया गया। सर्वप्रथम अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा, डॉ० प्रवेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा एवं सिद्धार्थ कृष्ण त्रिपाठी, वित्त एवं लेखाधिकारी आदि के द्वारा ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का विधिवत शुभारम्भ किया। राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं फूल माला भेंट कर स्वागत किया। जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में कुल 105 विद्यालयों के बाल वैज्ञानिक द्वारा कियाशील एवं स्थानीय आवश्यकता के समाधान पर अधारित निर्मित मॉडल को प्रदर्शनी में सजाया गया। टी०एल०एम० प्रदर्शनी में 25 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने नावाचार की शिक्षण अधिगम सामग्री की प्रदर्शनी सुसज्जित की। अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा, डॉ० प्रवेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा एवं सिद्धार्थ कृष्ण त्रिपाठी, वित्त एवं लेखाधिकारी आदि अतिथियों द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में सुसज्जित मॉडल एवं टी०एल०एम० प्रदर्शनी का बहुत गहनता से अवलोकन कर मार्गदर्शन किया। जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी समारोह को सम्बोधित करते हुऐ अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विज्ञान एवं वैज्ञानिक सोच के बिना कुछ भी सम्भव नहीं है हमे सकारात्मक विचारधारा के साथ अपना लक्ष्य निर्धारित करें फिर लक्ष्य के अनुसार पूरी शक्ति से लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करें, अब हमें लक्ष्य प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। इतिहास में जितने भी आविष्कार / खोज हुई हैं वे सब निरंतर असफलता के बाद सफलता से ही प्राप्त हुई हैं। हमें हौसला और हिम्मत नहीं हारनी चाहियें। शिक्षकों द्वारा निर्मित टी०एल०एम० सामग्री के नवाचारी विचार एवं आज के समय के अनुकूल शिक्षण पद्धति को प्रदर्शित करता है। डॉ० प्रवेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा ने कहा की विज्ञान प्रदर्शनी जैसे आयोजन से विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं क्रियात्मक विचार विकसित होते हैं। परिकल्पना को साकार रूप प्रदान करने के लिये इस प्रकार के आयोजन प्रेणादायी सिद्ध होते हैं। शिक्षकों और बच्चों को पूरे मनोयोग और महनत के साथ स्थानीय आवश्यकताओं के समाधान खोजने चाहिएँ। उन्होने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों की अवश्यकता के अनुसार टी०एल०एम० तैयार कर शिक्षण करना चाहिएं। सिद्धार्थ कृष्ण त्रिपाठी, वित्त एवं लेखाधिकारी ने कहा की जनपद के दुरस्थ क्षेत्रों से यहां पहुंच कर विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक विचारधारा के मॉडल तैयार कर जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये हैं। बाल वैज्ञानिकों के इस प्रकार के समागम से एक दुसरे से रचनात्मकता और कियाशीलता सीखने का अवसर प्राप्त होता है। विद्यार्थियों को निरन्तर वैज्ञानिक सोच विकसित रहना चाहिएं। मदनपाल सिंह, जिला समन्वयक, समग्र शिक्षा (मा०) ने जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की आख्या प्रस्तुत की। जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का संयोजन सी०पी० सिंह, प्रधानाचार्य, कुन्दन मॉडल इण्टर कॉलेज ने किया। समारोह का संचालन प्रीति चौधरी तथा डा० साबिया खातून ने संयुक्त रूप से किया। जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग दोनो में प्रथम विजेता को रू0-4000.00, द्वतीय विजेता को रू0-3000.00, तृतीय विजेता को रू0-2000.00 तथा पांच सांतवना पुरस्कार रू0-500.00 एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में निर्णायक मण्डल में अरविन्द कुमार, प्रवक्ता गणित, सूरज सिंह सैनी, असि० प्रो० भौतिक विज्ञान, जितेन्द्र कुमार, प्रवक्ता भौतिक विज्ञान, डॉ० मनमोहन सिंह, असि० प्रो० नागरिक शास्त्र एवं टी०एल०एम० प्रदर्शनी में निर्णायक मण्डल में डॉ० विशेष कुमार राय, असि० प्रो० हिन्दी, स्नेहा प्रकाश, प्रवक्ता अंगेजी, डॉ० पवन गैरा, असि० प्रो० गणित, साक्षी शुक्ला, प्रवक्ता भौतिक विज्ञान, डॉ० दीपक कुमार, प्रवक्ता सामाजिक विषय, डॉ० उमेश कुमार, प्रवक्ता भूगोल रहे। जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं टी०एल०एम० प्रदर्शनी समारोह में डॉ धर्म सिंह, पवन कुमार त्यागी, स्नेहलता, किरन लता, कुमकुम, देवेन्द्र प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह, संजीव कुमार, विकास कुमार, संतराम यादव, अशोक कुमार, कोमल रानी, कीर्ति, राघवा खानम साबिया खातून अदिति, हुसैन मोहम्मद, मुराद अली, आलोक यादव, आलोक पाठक, शाने हैदर, सुरेन्द्र सिंह, हरिओम, अमित कुमार, अदि उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत चित्र प्रदर्शनी एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस आज से से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक जिले में सेवा पखवाड़ा-2025 हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित किया जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुए बताया कि सेवा पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत आज से अपराह्न 2:15 बजे राजकीय मिनी स्टेडियम में सूचना निदेशालय द्वारा प्रेषित 15 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का शुभारम्भ जनपद के प्रभारी मंत्री/ राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन, के०पी० मलिक द्वारा किया जाएगा। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व

एवं कृतित्व पर आधारित महत्वपूर्ण झलकियों के साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा जन-कल्याण के लिए संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं, उपलब्धियों व रोजगारपरक नीतियों से संबंधित विषयवस्तु प्रदर्शित की जाएगी। डीएम ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस 15 दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कर शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं उनका लाभ उठाएँ। डीएम ने बताया कि सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्वास्थ्य अभियान चलाया जाएगा। अभियान का शुभारम्भ आज से जिला संयुक्त चिकित्सालय अमरोहा, 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय बछरायूं एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में होगा। जिला मजिस्ट्रेट ने आमजन से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इन कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सेवा पखवाड़ा-2025 को सफल बनाएं।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत शपथ समारोह आयोजित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य द्वारा की गई। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी, समस्त अधिकारी तथा कर्मचारियों ने स्वच्छता बनाए रखने, अपने कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की शपथ ग्रहण की। इस दौरान

अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे व्यक्तिगत स्तर पर स्वच्छता को अपनाकर समाज में सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करें।

शपथ समारोह में लेखाकार आदेश कुमार, लिपिक इरशाद खान, लिपिक ललित कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर अक्षय शुक्ला, रविंद्र सिंह, कपिल कुमार, साथ ही ओम प्रकाश, नदीम खान, योगेश, दिनेश, दीपू कुमार, यशवीर, गौरव, कपिल भटनागर, शुभम सिंघल, रितिक सिंघल, , अमित गौतम, दुष्यंत, राखी, नीतू एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

कचहरी से चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद, दो गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पुलिस द्वारा मोटरसाईकिल चोरी की घटना का अनावरण कर हिस्ट्रीशीटर सहित 02 शातिर चोर अभियुक्त गिरफ्तार किये गये हैं जिनके कब्जे से चोरी की 01 मोटरसाईकिल बरामद की गई है। मंगलवार को थाना अमरोहा नगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान 02 शातिर चोर अभियुक्तों 1.सद्दाम रजा पुत्र साबीर निवासी गाव अशरफपुर फैजगंज थाना डिडौली जनपद अमरोहा 2. सुमित पाल पुत्र जसराम निवासी गाव बरखेडा राजपुत थाना डिडौली

जनपद अमरोहा को मय चोरी की गयी मोटरसाईकिल सीबीजेड एक्ट्रीम न0 DL-13 SM 6045 सहित गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के द्वारा अभियुक्तों से पूछताछ पर जानकारी हुई कि अभियुक्तों ने बरामद मोटरसाईकिल को 12 सितंबर को अमरोहा कचहरी से चोरी की थी। जिसके सम्बन्ध में थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा पर मु0अ0स0 272/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है । अभियुक्त द्वारा बताया गया कि आर्थिक लाभ लेने हेतु दोनों नें बरामद मोटरसाईकिल कचहरी से चोरी की थी। ज्ञात रहे कि अभियुक्त सद्दाम थाना डिडौली का हिस्ट्रीशीटर है। जिसके विरुद्ध पहले से ही चोरी, गैंगस्टर, लूट, अवैध अस्लहा आदि के कुल 27 अभियोग पंजीकृत है।

किसी अज्ञात ने मुशाहिद के खाते से उड़ाए 40 हजार, पुलिस ने कराए वापस

अमरोहा (सब का सपना):- मुशाहीद पुत्र शदीक अहमद निवासी निवासी पिपली कलां थाना रजबपुर के द्वारा 13 सितंबर को पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा धोखाधडी कर 40,000/- रुपयें ट्रांसफर/निकाल लिये थे । जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने साइबर सैल टीम को अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था।साइबर सैल टीम के द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में तत्काल कार्यवाही करते हुये पूरे प्रकरण में मुशाहीद पुत्र शदीक अहमद निवासी ग्राम पिपली कलां थाना रजबपुर जनपद अमरोहा से धोखाधडी कर ट्रांसफर हुये कुल 40,000/- रुपयें पीडित के बैंक खाते में तीन दिन के अंदर वापस कराये गये रुपएं वापस पाकर वादी

ने खुशी का इजहार करते हुये पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर पुलिस को धन्यवाद कहा तथा पुलिस अधीक्षक व साइबर सैल जनपद अमरोहा की टीम की भूरि-भूरि प्रंशसा की । वहीं अमरोहा पुलिस ने आम जनमानस से अपील की है कि अपने खाते से सम्बंधित या अन्य ओ.टी.पी./ पासवर्ड आदि व्यक्तिगत/गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जाँचे परखे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भुगतान न करें, यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है । आप स्वयं जागरुक रहे तथा अपने आस-पास के अधिक से अधिक लोगों में यह जानकारी साझा करें जिससे किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधडी न हो सके ।

टीईटी के विरोध में डीएम कार्यालय पर जुटे शिक्षक, सौंपा ज्ञापन

पीएम को संबोधित ज्ञापन भेजकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी करने की मांग

अमरोहा (सब का सपना):- प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले बेसिक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट पास होना अनिवार्य किए जाने के विरोध में जनपद भर के सैकड़ो की तादाद में इकट्ठा होकर शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे उत्तर प्रदेश प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश में कहा है कि ऐसे सेवारत शिक्षक जिनकी सेवा 5 वर्ष से अधिक है उनके लिए टीईटी पास करना अनिवार्य है।उन्हें सेवा में बने रहने के लिए दो वर्षों में इसे उत्तीर्ण करना होगा। जबकि आरटीई एक्ट 2009 में लाया गया और 23 अगस्त 2010 में इसकी गाइडलाइन जारी की गई। 29 जुलाई 2011 से उत्तर प्रदेश में आरटीई अधिनियम लागू हुआ।इसमें 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इस प्रावधान से मुक्त रखने

की बात कही गई। 2017 में सरकार ने एक्ट में संशोधन कर सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दिया जो उचित नहीं है। इससे लाखों शिक्षकों की नौकरी संकट में आ गई है। शिक्षकों ने एक स्वर में सरकार से पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी करने की मांग दोहराई है। माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री डॉ जीपी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार कानून में संशोधन कर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी करें। जिससे शिक्षकों को राहत मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक महासंघ के आवाह्न पर धरना प्रदर्शन आगे भी निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री मुकेश चौधरी,माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष गुरनाम सिंह, जिला मंत्री बालक राम शर्मा, एससी एसटी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह, जिला मंत्री जगवीर सिंह,अटेवा के जिला अध्यक्ष मतीन अहमद, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष जमशेद शरीफ, जिला मंत्री तरुण औलख, उर्दू बीटीसी शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष इमरान पाशा,शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष फारूख अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ प्रथी सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अनीस अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष विपिन चौहान,योगेश चौधरी, रामवीर सिंह, होमपाल सिंह चौहान, ब्लॉक मंत्री रेखा रानी,पूनम रानी,जितेंद्र कटारिया ,इरशाद अली,हीरा सिंह, विवेक चौधरी, विरेन्द्र सिंह,विपिन पंघाल, सोमवीर सिंह, हरिओम त्रिवेदी,अरूण मान,मीनाक्षी,ज्योति शर्मा, नसरीन फात्मा, असरा, पूनम रानी,पूजा,सविता, करणवीर सिंह, जयवीर सिंह आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं आदि मौजूद रहे है।

अमरोहा शहर के वासुदेव तीर्थ स्थल पर शारदीय नवरात्रि महोत्सव का होगा भव्य आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- शहर में स्थित प्राचीन वासुदेव तीर्थ स्थल पर इस वर्ष 2025 में शारदीय नवरात्रि महोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया जाएगा। श्री वासुदेव तीर्थ प्रबंध कमेटी रजिस्टर्ड द्वारा हर साल आयोजित होने वाले इस महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। वही शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ 22 सितंबर 2025 को सोमवार से होगा। वासुदेव तीर्थ स्थल, जो महाभारत काल से जुड़ा हुआ है, इस महोत्सव का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना के साथ-साथ भजन-कीर्तन, कन्या पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कमेटी के अध्यक्ष शिवस्वरूप टंडन उर्फ बब्बू टंडन ने बताया कि इस वर्ष महोत्सव को और अधिक भव्य बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। "हमारा उद्देश्य है कि भक्तों को पारंपरिक और आधुनिक तरीके से नवरात्रि का आनंद मिले। वासुदेव तीर्थ की पवित्रता के साथ मां दुर्गा की आराधना से सभी की मनोकामनाएं पूरी हों," उन्होंने कहा। अमरोहा शहर का वासुदेव तीर्थ स्थल न केवल एक धार्मिक केंद्र है, बल्कि भारतीय इतिहास का एक जीवंत साक्ष्य भी है। इसकी स्थापना लगभग 5000 वर्ष पूर्व मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार, 3000 ईसा पूर्व इंद्रप्रस्थ (वर्तमान दिल्ली) के राजा अमरचौड़ ने अमरोहा शहर की स्थापना की थी। उसके बाद वासुदेव सरोवर के किनारे बटेश्वर शिवालय की स्थापना हुई। महाभारत काल में यह स्थल पांडवों के अज्ञातवास का साक्षी रहा। कुरुक्षेत्र युद्ध के लिए जाते समय भगवान श्रीकृष्ण पांडवों के साथ यहां रुके थे। श्रीकृष्ण ने स्वयं अपने हाथों से एक शिवलिंग प्रतिष्ठापित किया था, जिसकी पूजा आज भी की जाती है। यहां का कदम का वृक्ष भी विशेष महत्व रखता है, जो भगवान कृष्ण के कदमों का प्रतीक माना जाता है। तीर्थ स्थल पर तुलसी उद्यान है, जहां महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की विशाल प्रतिमा स्थापित है। जो भक्तों के लिए शांति का केंद्र है। सुबह-शाम मंदिर की घंटियों और शंखनाद से पूरा इलाका गूंज उठता है। जिसे देखने दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु आते हैं। वासुदेव तीर्थ की मान्यता पूरे देश में फैली हुई है। महाशिवरात्रि पर क्षेत्र के कांवड़िए यहां गंगा जल चढ़ाने आते हैं। शारदीय नवरात्रि हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, यह मां दुर्गा को समर्पित नौ रात्रियों का उत्सव है, जो महिषासुर पर देवी की विजय का प्रतीक है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा विभिन्न वाहनों पर सवार होकर भक्तों की रक्षा के लिए पृथ्वी पर आती हैं। इस वर्ष नवरात्रि का आरंभ सोमवार को हो रहा है, इस पर्व में व्रत, उपवास और पूजा का विशेष महत्व है। नवरात्रि के नौ दिन मां के नौ रूपों– सोमवार 22 सितंबर को माँ शैलपुत्री की पूजा अर्चना की जाएगी इस रात को श्री मेघराज जागरण पार्टी के कलाकार मां का गुणगान करेंगे , मंगलवार 23 सितंबर को मां ब्रह्मचारिणी श्री राहुल कुमार जागरण पार्टी मुरादाबाद के कलाकारों द्वारा गुणगान किया जाएगा , बुधवार 24 सितंबर को माँ चंद्रघंटा का श्री दक्ष प्रजापति एंड जागरण पार्टी अमरोहा के कलाकार गुणगान करेंगे, गुरुवार 25 सितंबर को मां कूष्मांडा का श्री मधुर श्याम कीर्तन मंडल पार्टी के कलाकारों द्वारा गुणगान किया जाएगा, शुक्रवार 26 सितंबर को माँ स्कंदमाता का श्री नवीन गुप्ता एंड पार्टी बुलंदशहर के कलाकार गुणगान करेंगे, शनिवार 27 सितंबर को माँ कात्यायनी का श्री अग्रवाल जागरण पार्टी मुरादाबाद के कलाकारों द्वारा गुणगान किया जाएगा, रविवार 28 सितंबर को माँ कालरात्रि का श्री सुमित शर्मा जागरण पार्टी गजरौला के कलाकार गुणगान करेंगे, सोमवार 29 सितंबर को माँ महागौरी का श्री रोहित महाकाल झांकी आर्ट ग्रुप मुरादाबाद झांकियां प्रस्तुत की जाएंगे, इसके अलावा मंगलवार 30 सितंबर को श्री सांवरिया एंड पार्टी बदायूं के कलाकार माता का गुणगान करेंगे। दसवें दिन विजयादशमी पर राम की रावण पर विजय का भी स्मरण किया जाता है। श्री वासुदेव तीर्थ प्रबंध कमेटी ने महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। मंदिर परिसर को फूलों, लाइटिंग और रंगोली से सजाया जा रहा है। जहां दैनिक पूजा-अर्चना होगी। भजन-कीर्तन के लिए स्थानीय कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। कमेटी ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग, जल व्यवस्था की है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के दर्शन कर सकें। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी दूर-दराज के भक्त पहुंचेंगे। श्री वासुदेव तीर्थ प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष शिवस्वरूप बाबू टंडन ने बताया कि यह महोत्सव न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक है, उन्होंने बताया है कि इस भव्य आयोजन हेतु शहर से कोई चंदा नहीं करती, श्रद्धालु स्वयं आस्था बस वासुदेव तीर्थ पर आकर सहयोग राशि मां के चरणों में भेंट करते हैं यदि आपके दरबार में हवन पूजा विशेष पूजा आरती प्रसाद आदि किसी दिन भी आस्था से करने की इच्छा या अभिलाषा रखते हैं तो कृपया पूर्व में ही फोन पर अवगत कराने का कष्ट करें, ताकि आपकी इच्छा अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा सके श्री वासुदेव तीर्थ पर आपके गरिमा में आगमन पर श्री वासुदेव तीर्थ प्रबंध समिति आपकी आभारी रहेगी।

थाना बहजोई पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू के नेतृत्व में थाना बहजोई पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त अनवार, पुत्र आफताव, निवासी मोहल्ला रेलवे स्टेशन रोड, कस्बा व थाना बहजोई, उम्र करीब 46 वर्ष, को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त अनवार के खिलाफ आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज था। पुलिस ने उसे 16 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया और उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। यह कार्रवाई पुलिस के सघन अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत जनपद में अपराध नियंत्रण और फरार अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

डीएम ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागीय रैंकिंग एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में माह मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागीय रैंकिंग एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग, महिला कल्याण/प्रोबेशन, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, कृषि विभाग, लघु सिंचाई विभाग आदि सहित अन्य विभागों की समीक्षा कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत निर्देश दिए कार्यवाही संस्था के ठेकेदारों को जो टारगेट दिए गए हैं उनका रजिस्ट्रेशन कराये और उनके विभाग के ठेकेदार द्वारा रजिस्ट्रेशन करा कर सौर प्लांट लगवाए जाएं। उन्होंने कोटेदार, पंचायत, बीएसए आदि को जो लक्ष्य दिए उनका कितना लक्ष्य प्राप्त हुआ आदि क्यों विस्तृत जानकारी है और कहा कि कल तक के रजिस्ट्रेशन वेंडर चयन कराकर उसकी सूचना पीओ नेडा को उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि सौर प्लांट लगवाने के अनेक फायदे और जरूरी भी है। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन से लेकर इंस्टॉलेशन तक कार्य कर लिया जाए और वेंडर कलेक्शन अभियान के रूप में कार्य करें उन्होंने कहा कि उक्त कार्य के लिए मॉनिटरिंग अवश्य करें और उन्होंने नेम ऑफ द एप्लीकेंट, नंबर, रजिस्ट्रेशन आईडी, कैपेसिटी ऑफ लाइट, एप्लीकेशन स्टेटस एप्लीकेशन इंस्टॉल प्रारूप पर सूचना बनाकर कल शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सभी विभागों को निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत सभी विकास विभाग आपस में सामंजस्य के साथ कार्य करें और सहयोग दें और कार्य को पूर्ण करें जिससे जनपद की रैंकिंग सुधर सकती है। उन्होंने मिशन-100 और मिशन-500 के अंतर्गत तालाबों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की 23 सितंबर 2025 तक कार्य शुरू कराये। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि जिन ग्रामों में कूड़ा कलेक्शन नहीं हो पा रहा है वहां क्या समस्या आ रही है कुछ समस्याओं का निस्तारण अवश्य किया जाए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, पीडीएस गोदाम, तालाबों की प्रगति, ओडीएफ प्लस की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्तिगत शौचालय पूरे हो गए हैं उनके निर्माण की स्थिति, केयर टेकर के नियमित वेतन और उनके नियमित खोलने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने निराश्रित गौवंश और बेसहारा गौवंश के संबध में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि निराश्रित गौ वंश की शिकायत आ रही है, इसलिए प्रमुखता के साथ जो नंदी को पकड़ कर गौशाला में रखा जाए। गौशाला में भूसा, चोकर, घास, पानी आदि सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो। उन्होंने निर्देश दिए की चरागाह की भूमि पर चार बाय जाने की 10 दिन के अंतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें जो जमीन चिन्हित है चारागाह की उसे पर चारा बोया जाए। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए आंगनबाड़ी केंद्र भवन के निर्माण जो पूर्ण गए हैं उन्हें एक बार चेक कर लिया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, सुमंगला योजना, विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन के अंतर्गत जो लक्ष्य प्राप्त हुए उनका समय के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा कर निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंक गिरनी नहीं चाहिए जो लक्ष्य दिया गया है उसे लक्ष्य के अनुसार शतप्रतिशत कार्य हो । खराब रैंकिंग वाले विभाग अपनी प्रगति सुधारें और कोई कार्य में विभागीय लापरवाही नहीं की जानी चाहिए । इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान के अंतर्गत दुपहिया वाहन चालकों को पहनाए गए हेलमेट

बहजोई/संभल (सब का सपना):- यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पांच प्रमुख एंट्री पॉइंट्स पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात मनोज कुमार सिंह और यातायात प्रभारी दुष्यंत कुमार बालियान ने किया। कस्बा बहजोई के इस्लामनगर चौराहे पर नो फ्यूल नो हेलमेट अभियान के तहत दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनाए गए । क्षेत्राधिकारी यातायात ने बताया कि अब तक 600 से अधिक दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट के महत्व के बारे में जागरूक किया जा चुका है। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की गई। इस अवसर पर एआर टीओ संभल और समस्त पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। क्षेत्राधिकारी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देगी, बल्कि आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता भी लाएगी।

योग शिविर के दूसरे दिन योग आसनों और प्राणायाम का कराया गया अभ्यास

बहजोई/संभल(सब का सपना):- महाविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय निःशुल्क योग शिविर के दूसरे दिन परमपूजनीय स्वामी रामदेव की विदूषी शिष्या पूजा साध्वी देवादिति दीदी ने योग साधकों को विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। शिविर में ताड़ासन, त्रियक आसन, गरुड़ आसन, भुजंग आसन, पवनमुक्त आसन, सिंह आसन और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। देवादिति दीदी ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मिक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन में अपनाने की सलाह दी। शिविर में राज्य प्रभारी श्रीदेवी और सह प्रभारी डॉ. इंदिरा गुप्ता का सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला प्रभारी पिंकी ग्रेवल, तहसील प्रभारी चंदौसी अर्चना मित्तल, राधा दिलेर, मंजू, शीतल रानी, गीता रानी, किरन, रश्मि गुप्ता, सुशीला देवी सहित अनेक योग साधक उपस्थित रहे। शिविर का समापन भ्रामरी प्राणायाम के साथ हुआ, और सभी प्रतिभागियों ने योग के प्रति उत्साह दिखाया।

पीएम श्री विद्यालय शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में स्थापित

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सर्वांगीण विकास की दिशा में बड़ा कदम

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- प्रदेश सरकार की पीएम योजना के अंतर्गत जनपद में विद्यालयों को शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिलाधिकारी संजय चौहान और मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल के नेतृत्व में यह प्रयास निरंतर प्रगति पर है। इस योजना के तहत प्रथम चरण 2023-24 में कुल 13 विद्यालयों तथा द्वितीय चरण 2023-24 में कुल 06 विद्यालयों का चयन किया गया है। इन विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब, कंप्यूटर कक्ष, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, खेलकूद की उन्नत सुविधाएं तथा कायाकल्प योजना के समस्त 19 पैमानों पर कार्य कराया जा रहा है। विकास खण्ड भेटुआ के ग्रामीण अंचल में अवस्थित पी0एम0 श्री कंपोजिट विद्यालय पश्चिम दुआरा इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। विद्यालय का भौतिक परिवेश श्रेष्ठतम है एवं कायाकल्प के सभी पैरामीटर पर संतृप्त है। विद्यालय में कुल 13 कक्ष हैं, जिनमें हवादार खिड़कियों एवं पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था है। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित वाटिकाएं हैं, जो वातावरण को आकर्षक एवं प्रेरणादायी बनाती हैं। विद्यालय में एक विशाल पुस्तकालय उपलब्ध है, जिसमें बच्चे प्रतिदिन समाचार पत्र, पत्रिकाएं एवं कहानियों की किताबें

पढ़ते हैं। स्मार्ट रूम में प्रोजेक्टर के माध्यम से समय-सारणी अनुसार शैक्षणिक गतिविधियां कराई जाती हैं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को नियमित रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद की गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं। विद्यालय में स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई गई है तथा बच्चे विभागीय प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, विद्या ज्ञान प्रवेश परीक्षा एवं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु अतिरिक्त कक्षाएं भी संचालित की जाती हैं। विद्यालय में गठित इको-क्लब प्रत्येक शनिवार को बैठक कर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, अनुशासन, पोषण एवं कौशल विकास जैसे विषयों पर चर्चा करता है और छात्र-छात्राएं अपने सुझाव भी प्रस्तुत करते हैं। यह गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहायक हो रही हैं। जिलाधिकारी संजय चौहान एवं मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने कहा कि पी0एम0 श्री विद्यालयों के माध्यम से जनपद के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीकी का ज्ञान एवं सर्वांगीण विकास के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शासनादेश में दी गई पात्रता के अनुसार प्रत्येक पात्र विद्यार्थी इस योजना से लाभान्वित हो। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

अनाधिकृत निजी अस्पतालों पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त छापेमारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा बहजोई में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने कई अनाधिकृत अस्पतालों पर छापेमारी की, जिससे अस्पताल संचालकों में हड़कंप मच गया। कई संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद करके फरार हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि जनपद में कुल लगभग 30 ऐसे अस्पताल चिन्हित किए गए हैं, जो बिना किसी वैध लाइसेंस या अनुमति के संचालित हो रहे थे जिन पर पूर्व में मुकदमा पंजीकृत था लेकिन दोबारा संचालित किए जा रहे हैं। जो बिना पंजीकरण संचालित थे उनके अभिलेख भी जब्त किए गए हैं इन अस्पतालों में मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। अनाधिकृत डॉक्टरों द्वारा इलाज, अपर्याप्त सुविधाओं के कारण मरीजों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो रहा था। छापेमारी के दौरान कुछ संचालकों ने टीम के पहुंचने से पहले ही दुकानें बंद कर भागने का रास्ता अपनाया। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के निर्देश पर की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। अनुकृति शर्मा ने कहा, "ये अवैध अस्पताल न केवल मरीजों की जान को जोखिम में डाल रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी प्रभावित कर रहे हैं। हम ऐसी कार्रवाइयों को जारी रखेंगे स्थानीय निवासियों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है। यह छापेमारी एक सकारात्मक कदम है।" स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की है कि कोई भी अनाधिकृत चिकित्सा गतिविधि पकड़े जाने पर सख्त सजा दी जाएगी। जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत और मान्यता प्राप्त अस्पतालों में ही इलाज करवाएं। इस अभियान से संभल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की नई जिला कार्यकारिणी घोषित

पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और अधिकारों की रक्षा के लिए परिषद प्रतिबद्ध : राष्ट्रीय अध्यक्ष

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- क्रांतिकारी पत्रकार परिषद की नई जिला कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। सोमवार को क्रांतिकारी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल दुबे ने जनपद अमेठी की जिला कार्यकारिणी सूची जारी की। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए क्रांतिकारी पत्रकार परिषद पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठन हमेशा निष्पक्ष पत्रकारिता और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा। घोषित सूची के अनुसार, आदित्य बरनवाल जिला अध्यक्ष, विनोद सिंह जिला उपाध्यक्ष, अखिलेश शुक्ला महासचिव, प्रवीण शुक्ला जिला प्रभारी और ओम नारायण मिश्र जिला संरक्षक बनाए गए हैं। इसके अलावा रामधनी शुक्ला को सचिव तथा नवनीत तिवारी, सूरज तिवारी, अमित बाजपेयी, राम प्रकाश यादव समेत अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया प्रभारियों में रविनाथ दीक्षित, मो. आसिफ एडम और सर्वेश का नाम शामिल है। जबकि सदस्य के रूप में खुर्शीद अहमद, अमर बहादुर, मो. राशिद, अभिषेक ओझा, कुलदीप तिवारी, एस. बी. सिंह और सर्वेश त्रिपाठी को जगह दी गई है। परिषद के जिला अध्यक्ष आदित्य बरनवाल ने कहा कि नई टीम जिले में पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि संगठन पत्रकारों की हर समस्या पर मजबूती से खड़ा रहेगा। नई कार्यकारिणी को आधिकारिक मंजूरी 15 सितम्बर 2025 को प्रदान की गई। जिला महासचिव अखिलेश शुक्ला ने कहा कि क्रांतिकारी पत्रकार परिषद को उम्मीद है कि यह टीम पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखते हुए समाज और राष्ट्रहित में योगदान देगी।

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत आयोजित हुई जिला कार्यकारी समिति की बैठक

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन को इस उद्देश्य से शुरू किया गया है कि जनपद के युवाओं एवं बेरोजगार अभ्यर्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जा सके। इसके लिए एक एकीकृत पोर्टल विकसित किया गया है और पोर्टल में बेरोजगार अभ्यर्थियों, श्रमिकों और

मजदूरों का पंजीकरण कराया जा रहा है, पोर्टल पर निजी क्षेत्र की कंपनियों, विभिन्न भर्ती अभिकरणों, जनशक्ति अभिकरणों का पंजीकरण भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोजगार संगम हेतु पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in, आउटसोर्सिंग हेतु sewayojan.up.gov.in होम सर्विस के लिए sewamitr.up.gov.in पर पंजीकरण किया जा रहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों से कहा कि वह अपने-अपने विभाग में संचालित रोजगार सृजन करने वाली योजनाओं को सेवायोजन विभाग के साथ समन्वय में लाएं जिससे जनपद में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के भी अवसर उपलब्ध कराए जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि उपरोक्त पोर्टल पर पंजीकरण जरूर कराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, डिप्टी कलेक्टर सात्विक श्रीवास्तव, उपायुक्त उद्योग दिनेश कुमार चौरसिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लेखपाल 12,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

धनारी/संभल(सब का सपना) अफसर अलीः- थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर स्थित एन्टी करप्शन टीम ने लेखपाल को 12,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला खेत की पैमाइश से जुड़ा है, जिसमें लेखपाल ने किसान से रिश्वत की मांग की थी। जानकारी के अनुसार, एक किसान ने अपने खेत की पैमाइश कराने के लिए लेखपाल से संपर्क किया। इस दौरान लेखपाल ने पैमाइश के लिए किसान को लगातार परेशान किया और 12,000 रुपये की रिश्वत मांगी। किसान ने पहले रिश्वत देने से इनकार किया, लेकिन बाद में उसने एन्टी करप्शन टीम को इसकी सूचना दी। टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और लेखपाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एन्टी करप्शन टीम ने लेखपाल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती का संदेश गया है।

जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों की डीएम ने की समीक्षा

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ जनपद में निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएँ। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। कार्यदायी संस्थाएँ सामग्री की गुणवत्ता जांचकर ही उसका प्रयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी परियोजना में शिथिलता, मानक विहीन कार्य या अनियमितता पाए

जाने पर संबंधित संस्था के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में डीएम ने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं हेतु धनराशि प्राप्त हो चुकी है, उन्हें निश्चित समयावधि में हर हाल में पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएँ गंभीरता से काम करें और निर्माण में देरी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जिन कार्यों को पूरा कराने में बजट की आवश्यकता है, उनके प्रस्ताव तुरंत शासन को भेजे जाएँ ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए और परियोजनाएँ समय पर पूरी हो सकें। डीएम ने निर्देश दिया कि जो परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं उन्हें संबंधित विभाग को शीघ्र हैंड ओवर कर दिया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, डिप्टी कलेक्टर सात्विक श्रीवास्तव, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पन्नालाल, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग शैलेंद्र सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नैना रिजॉर्ट की तीसरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से स्टोर रूम में लगी आग

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जनपद के जायस में स्थित नैना रिजॉर्ट की तीसरी मंजिल पर आग लग गई। स्टोर रूम में लगी इस आग को फायर ब्रिगेड की टीमों ने काबू में कर लिया। रिजॉर्ट के प्रबंधक प्रदीप सिंघल के अनुसार, रात 2:45 बजे कर्मचारी धीरेंद्र तिवारी ने आग लगने की सूचना दी। कर्मचारियों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया। इसी दौरान जायस की फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। गौरीगंज, जायस और जगदीशपुर से पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। प्रबंधक ने बताया कि तीसरी मंजिल पर स्थित स्टोर रूम में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। यह घटना बहादुरपुर में रायबरेली-सुल्तानपुर नेशनल हाईवे पर स्थित रिजॉर्ट की है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रदर्शनी की तैयारियों का किया गया निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- आज से 02 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किये जाने वाले सेवा पर्व को लेकर बड़ा मैदान निकट कलक्ट्रेट बहजोई में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा एक प्रदर्शनी लगायी जा रही है। जिसका जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार एवं जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी विपिन गुप्ता एवं जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी जयप्रकाश गुप्ता द्वारा प्रदर्शनी की तैयारियों का निरीक्षण किया। जिला सूचना अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनी में शासन की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक जनसामान्य योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष कंचन गुप्ता का जागरूकता अभियान

महिलाओं-बच्चियों में वितरण किया सैनिटरी नैपकिन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता ने महिलाओं और बच्चियों को जागरूक करने के लिए अनोखी पहल की है। उन्होंने जनपद के विभिन्न गांवों में जाकर जहां सैनिटरी नैपकिन वितरित किए, वहीं महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी भी दी कंचन गुप्ता ने

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में सिलाई, कढ़ाई और ब्यूटी पार्लर जैसी स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जाएंगे सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहने वाली मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी कंचन गुप्ता ने समाज सेवा को ही अपना उद्देश्य बना लिया है। उनके इस अभियान में बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ रही हैं इस मौके पर वार्ड नंबर 3 की सभासद मिथिलेश भी मौजूद रहीं और कंचन गुप्ता के प्रयासों की सराहना की।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर निगम की जांच में बड़ा खुलासा, अब डिप्टी कमिश्नर ने दिए सख्त निर्देश

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनने में देरी होने से लोग परेशान होते हैं। नगर निगम ने इसकी वजह तलाशी तो सामने आया कि अस्पताल नवजात और मृतकों का विवरण देरी से पोर्टल पर दर्ज करते हैं। निगम सूत्रों की मानें तो इस तरह के करीब 25 प्रतिशत मामले हैं। सोमवार को निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन कार्यालय में इस समस्या का निदान करने के लिए जन-स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपायुक्त बादल कुमार की अध्यक्षता में अस्पताल संचालकों और आइएमए के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया कि समय से पोर्टल पर विवरण दर्ज करें। बादल कुमार ने कहा कि कई बार अस्पताल जन्म व मृत्यु का ब्योरा समय पर निगम के पोर्टल पर दर्ज नहीं कराते। यह भी देखा गया है कि जो ब्योरा दिया जाता है, उसमें काफी त्रुटियां रह जाती हैं। जिसके कारण लोगों को अनावश्यक परेशानी होती है। ऐसे में अस्पताल संचालकों को जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए जानकारी समयबद्ध और आधार कार्ड के अनुरूप पोर्टल पर दर्ज करानी चाहिए। ऐसा करने पर लोगों को परेशानी नहीं होगी। आइएमए पूर्वी दिल्ली ब्रांच से डा. शमा बत्रा ने बताया की निगम का पोर्टल कई बार बहुत धीमा काम करता है, जिसके कारण पंजीकरण समय रहते नहीं कर पाते। उन्होंने बताया की सभी अस्पतालों को एसोसिएशन की तरफ से पत्र जारी किया जाएगा कि नवजात के मामले में उसके स्वजन का विवरण आधार कार्ड के अनुरूप ही देख कर भरें। ऐसे ही मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए मृतक का विवरण आधार कार्ड के अनुरूप भरा जाए। बैठक में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डा. अजय लेखी भी शामिल हुए। निगरानी से समस्या का स्थायी निदान होगा : बादल कुमार उपायुक्त बादल कुमार ने कहा कि जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को तेज करना है। इस संबंध में अस्पताल संचालकों को निर्देश जारी किए हैं। अब निगरानी रखी जाएगी कि अस्पताल निदेशों पर अमल कर हे हैं या नहीं। अब जो समय से विवरण दर्ज नहीं करेगा, उस पर प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसलिए अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में सुधार करना ही होगा।

अमेठी महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने की बैठक

नवंबर में आयोजित होगा भव्य महोत्सव, स्थानीय उत्पादों व सांस्कृतिक धरोहर को मिलेगा मंच

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- आगामी अमेठी महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर आज जिलाधिकारी संजय चौहान व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में महोत्सव को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्व सौंपते हुए समयबद्ध तैयारियाँ पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि अमेठी महोत्सव का आयोजन नवंबर 2025 में प्रस्तावित है। इस अवसर पर जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी तहसीलों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिससे महोत्सव पूरे जनपद का उत्सव बन सके। अमेठी महोत्सव 2025 में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए जाएंगे, जहाँ आमजन को योजनाओं की जानकारी सहज रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही फूड कोर्ट में स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर मिलेगा। सांस्कृतिक

कार्यक्रमों के माध्यम से जनपद की कला और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा। खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी, जिनमें ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेंगे। स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे इन्हें पहचान और विपणन के नए अवसर मिल सकें। बैठक में तय किया गया कि सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कार्यक्रम की तैयारी करें और समय से सभी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि महोत्सव में स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की कि महोत्सव को जनपद की पहचान बनाने में सभी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अनिल चतुर्वेदी, अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी पारिजात पांडे सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

रेवाड़ी में भीषण हादसा: केमिकल टैंकर पलटने से लगी आग, कार सवार दो की जलकर मौत

रेवाड़ी : दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48) पर रेवाड़ी के बनीपुर चौक के पास देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। खतरनाक केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया और देखते ही देखते उसमें भीषण आग लग गई। आग की चपेट में पीछे चल रही कार आ गई, जिसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से कार से बाहर निकालकर नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, टैंकर दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा था। बनीपुर चौक के पास चालक का संतुलन बिगड़ने से टैंकर पलट गया। पलटते ही उसमें रिसाव हुआ और आग भड़क उठी। आग इतनी भयानक थी कि उसने तुरंत पीछे चल रही कार को अपनी चपेट में ले लिया। कार सवार चार लोग उत्तर प्रदेश से खाटू श्याम जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर एनएच-48 पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह रोक दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह चालक की लापरवाही या फिर वाहन में तकनीकी खराबी मानी जा रही है। मृतकों की पहचान और दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

बिना डॉक्टरी डिग्री कर रहा था इलाज, मरीजों की जान से खेल रहा था युवक, सीएम फ्लाइंग टीम ने किया भंडाफोड़

हिसार : हिसार सीएम फ्लाइंग टीम ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर एक निजी अस्पताल पर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई एक अवैध रूप से संचालित क्लिनिक के खिलाफ की गई, जहां बिना मेडिकल डिग्री के इलाज किया जा रहा था और बिना ड्रग लाइसेंस के दवाइयों का भंडारण किया गया था।

श्री बालाजी क्लिनिक पर हुई रेड

रेड का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने किया। उन्हें सूचना मिली थी कि श्री बालाजी क्लिनिक, हिसार में एक व्यक्ति बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहा है। इसी सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर दबिश दी। बिना डिग्री के कर रहा था इलाजरेड के दौरान मौके पर सुनील, निवासी गांव लुदास (जिला हिसार), क्लिनिक चलाते हुए पाया गया। उसने खुद को क्लिनिक का मालिक बताया और चिकित्सा प्रैक्टिस करते हुए मिला। जांच में सामने आया कि उसके पास इलाज करने की कोई डिग्री या प्रमाण पत्र नहीं है। मौके पर दो मरीज दीपक (निवासी हसनपुर, उत्तरप्रदेश)

और योगेश कुमार (निवासी शाहपुर) इलाज के लिए भर्ती मिले। उन्हें आईवी फ्लूड चढ़ाया जा रहा था। क्लिनिक से बड़ी मात्रा में ऐलोपैथिक दवाइयां, मेडिकल उपकरण और दो बेड बरामद किए गए। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर ने की दवाओं की जांच ड्रग कंट्रोल ऑफिसर डॉ. अजय कुमार ने मौके पर पहुंचकर दवाओं की जांच की। इस सुनील न तो ड्रग लाइसेंस, न बिक्री/खरीद रजिस्टर, और न ही दवाओं के स्रोत से संबंधित कोई दस्तावेज दिखा सका। उसने केवल बताया कि डॉ. अजय कुमार (BAMS) एक विजिटिंग डॉक्टर के रूप में आते हैं और क्लिनिक का परिसर उसने जगदीश नामक व्यक्ति से किराए पर लिया है।

2 प्रकार की दवाइयां और उपकरण जब्त टीम ने क्लिनिक से 12 प्रकार की ऐलोपैथिक दवाइयां, दो प्रकार के मेडिकल उपकरण, और उपयोग की गई अन्य दवाइयों को जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया। इन दवाओं का स्टॉक बिना किसी अधिकृत लाइसेंस के रखा गया था। टीम ने पुलिस को दी शिकायत में स्पष्ट किया कि आरोपी सुनील बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री या दस्तावेज के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहा था। इससे भोले-भाले मरीजों की जान को खतरा था।

उसके खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं में केस दर्ज किया जाएगा।

छापेमारी टीम में शामिल अधिकारी

इस कार्रवाई में सीएम फ्लाइंग टीम के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की डॉ. ज्योति (मेडिकल ऑफिसर), ड्रग कंट्रोल ऑफिसर डॉ. अजय कुमार, एएसआई सुरेंद्र और एचसी विजय भी मौजूद रहे।

दो महीने पहले ही जमानत पर आया था, सोनीपत में हिस्ट्रीशीटर की पीटकर हत्या, 6 पर केस

गन्नौरः गांव राजपुर में गांव के ही एक हिस्ट्रीशीटर शक्ति की लाठी- डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक शक्ति करीब दो महीने पहले ही जमानत पर आया था। सूचना मिलने पर डीसीपी पूर्व प्रबीना पी., एसीपी गन्नौर ऋषिकांत, बड़ी थाना प्रभारी महेश कुमार मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की। जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। मृतक शक्ति की मां शीला देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि शक्ति का गांव के ही बिजेंद्र से प्लाट को लेकर विवाद चल रहा था। सोमवार सुबह शक्ति बिजेंद्र के घर गया जहां दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। इसी दौरान बिजेंद्र उसके भाई कृष्ण, सुंदर, जोगेंद्र, भतीजे राहुल व आकाश सहित अन्य ने लाठी-डंडों से शक्ति पर हमला कर दिया और उसकी गाड़ी भी तोड़ दी। हमले में गंभीर चोट लगने से शक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की मां शीला देवी की शिकायत पर बिजेंद्र उसके भाई कृष्ण, सुंदर, जोगेंद्र व भतीजे राहुल, आकाश व अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी ऋषिकांत ने बताया कि मृतक शक्ति अपराधी प्रवृत्ति का था और उस पर अलग-अलग थानों में हत्या व हत्या के प्रयास सहित 13 से अधिक केस दर्ज थे। वह दो माह पहले ही करनाल जेल से जमानत पर बाहर आया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक शक्ति का भाई पवित्र भी अपराधी प्रवृति का है। उस पर भी अलग-अलग थानों में 16 से अधिक केस दर्ज हैं। वह भी जेल में सजा काट रहा है। भाई की मौत के बाद पवित्र उसके दाह संस्कार में भी शामिल नहीं हो सका।

अवैध शराब ठेके पर एक्साइज विभाग की बड़ी कार्रवाई, ग्रामीण कर रहे थे विरोध

यमुनानगर : यमुनानगर के प्रतापनगर स्थित गांव आरियावाला के पास अवैध रूप से संचालित शराब ठेके पर एक्साइज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। ग्रामीण लंबे समय से इस ठेके का विरोध कर रहे थे और शिकायत कर रहे थे कि यह गांव के पास होने से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सूचना पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने ठेके का निरीक्षण किया और पाया कि यह राष्ट्रीय राजमार्ग से 120 मीटर की अनिवार्य दूरी और गांव की आबादी से दूर रखने के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। नियमों का उल्लंघन सामने आने पर ठेके को तत्काल सील कर दिया गया। अधिकारियों ने ठेकेदार को निर्देश दिए कि वह तुरंत ठेका हटाए। मौके से शराब के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी अवैध गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पहलवान सुशील का करीबी हथियार समेत गिरफ्तार, पुलिस कर रही प्रोडक्शन वारंट पर लाने की तैयारी

झज्जर : एक बार फिर से ओलंपिक पहलवान सुशील की मुसीबतें बढ़ सकती हैं। झज्जर पुलिस जल्द सुशील पहलवान को प्रोडक्शन वारंट पर लाने की तैयारी कर रही है। झज्जर सीआईए की टीम ने सुशील पहलवान के एक करीबी को झज्जर छुछकवास मार्ग से अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। बता दें दिल्ली के छत्रपाल स्टेडियम का पहलवान विशाल पहलवान सुशील के इशारे पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। सुशील पहलवान के इशारे पर आरोपी को विदेशी हथियार और 20 कारतूस मिले थे। झज्जर सीआईए पुलिस ने आरोपी के पास से एक विदेशी हथियार और 6 कारतूस बरामद किए थे। झज्जर पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने प्रेस वार्ता कर मामले की विस्तार से जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता में बताया कि सुशील को प्रोटेक्शन वारंट पर लाने के बाद ही मामले का पूरा खुलासा होगा।

3 मासूम बच्चों को कुचलने वाला पुलिसकर्मी गिरफ्तार, पुलिस ने कोर्ट में किया पेश

पलवल : पलवल जिले के गांव उटावड़ में 3 बच्चों को कुचलने वाले पुलिसकर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार कर आज कोर्ट में पेश किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं कार एक्सीडेंट में मरने वाले 2 बच्चों 1 घायल बच्चे के परिवार में मातम का माहौल है।

गौरतलब है कि सोमवार को उटावड़ गांव में स्कूल से घर लौट रहे 3 बच्चों को कार सवार पुलिसकर्मी ने कुचल दिया था। जिसमें 2 बच्चों की मौत हो गई और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। मरने वाले बच्चों की पहचान अयान (5), अहसान (7) और घायल अरजान (9) शामिल थे। आसपास के लोगों ने मौके पर ही पकड़ा जब पुलिसकर्मी बच्चों को टक्कर मारकर भागने लगा तो आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी है। हालांकि, पुलिस जब आरोपी को पकड़कर ले जाने लगी तो लोगों ने पुलिस की गाड़ी का भी पीछा किया, क्योंकि लोग चाहते थे कि आरोपी का मेडिकल उनके सामने ही हो।टक्कर मारने के बाद भी नहीं रूका आरोपी-शाहबुद्दीन यह मामला पलवल जिले के हथीन खंड के गांव उटावड़ का है। मृतक बच्चों के पिता शाहबुद्दीन ने बताया कि उनका परिवार नूरिया मोहल्ले में रहता है। उनके 3 बच्चे उटावड़ के निजी स्कूल गरीबा पब्लिक स्कूल में पढ़ाई करते थे। उन्होनें बताया कि उनके बच्चों को हरियाणा पुलिस में बतौर हेड कॉन्स्टेबल नरेश कुमार ने टक्कर मारी।

टक्कर मारने के बाद वह रुका नहीं, बल्कि मौके से गाड़ी लेकर भागने लगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा- डीएसपी

हथीन डीएसपी महेंद्र वर्मा ने कहा कि आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया है। उसका मेडिकल कराने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। इस मामले में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पंचकूला के इन सरकारी कॉलेजों को नोटिस जारी

पंचकूला: पंचकूला के 7 सरकारी कॉलेजों को उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने नोटिस जारी किया है। इन कॉलेजों ने अपनी वेबसाइटें अपडेट नहीं की है। इसके कारण निदेशालय ने कॉलेजों से आज ही वेबसाइट अपडेट करने और इसके पीछे के कारण स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं। उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने पहले 5 सितंबर को प्रदेश के सभी कॉलेज प्रिंसिपल को एक पत्र भेजकर वेबसाइट अपडेट रखने की हिदायत दी थी. पत्र में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी समय कॉलेज की वेबसाइट की जांच की जा सकती है. यदि वेबसाइट अपडेट नहीं मिली, तो प्रिंसिपल को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा. यह कदम छात्रों के हित में उठाया गया है ताकि उन्हें सही और समय पर जानकारी मिल सके. इन कॉलेजों को नोटिस जारी राजकीय कॉलेज सेक्टर-1 पंचकूला राजकीय महिला कॉलेज सेक्टर-14 पंचकूला राजकीय कॉलेज कालका राजकीय कॉलेज रायपुर रानी राजकीय कॉलेज बरवाला राजकीय कॉलेज मोरनी माता मनसा देवी संस्कृत कॉलेज पंचकूला ये चीजें नहीं होती थी अपडेट एडमिशन प्रोसेस फीस स्ट्रक्चर नेक स्टेटस लाइब्रेरी डिटेल स्पोर्ट्स फैसिलिटी कॉलेज स्टाफ की पूरी सूचना टाइम टेबल एकेडमिक कैलेंडर परीक्षा की स्थिति

सरकारी विभाग में अब ड्राइवर बनना होगा मुश्किल, ये सर्टिफिकेट होना अनिवार्य

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने सरकारी विभागों में वाहन चालकों की भर्ती के नियम बदल दिए हैं। अब केवल दसवीं पास युवा चालक नहीं बन सकेंगे। नई व्यवस्था के तहत उम्मीदवार का कम से कम 12वीं पास होना अनिवार्य कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार, अभ्यर्थी की दसवीं या बारहवीं में कम से कम एक विषय हिंदी या संस्कृत होना चाहिए। यदि इनमें से कोई विषय नहीं पढ़ा गया है, तो स्नातक स्तर पर हिंदी अनिवार्य होगी। प्रदेश सरकार ने यह संशोधन हरियाणा अर्थ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण विभाग (ग्रुप-ग) सेवा नियम में किया है, जो अब से लागू होंगे। योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। यह नियम सिर्फ नई भर्तियों पर ही नहीं, बल्कि पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति और स्थानांतरण के मामलों में भी लागू होगा। यानी आगे चलकर विभागों में चालक बनने का रास्ता अब सिर्फ 12वीं पास और भाषा मानक पूरे करने वालों के लिए ही खुला रहेगा।

15 साल का इंतजार खत्म... नवंबर में छाएगा हरियाणा ओलंपिक गेम्स का रोमांच

हरियाणाः पंद्रह साल का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म होने जा रहा है। इस नवंबर हरियाणा फिर खेलों का अखाड़ा बनेगा, जहां तालियों की गड़गड़ाहट गूंजेगी और खिलाड़ियों के नाम पुकारे जाएंगे। प्रदेश का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ हरियाणा ओलंपिक गेम्स भव्य अंदाज में लौट रहा है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने आयोजन को मंजूरी देते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक पल के गवाह वे खुद बनेंगे और गेम्स का उद्घाटन करेंगे। मंगलवार को हरियाणा ओलंपिक संघ (एचओए) अध्यक्ष कप्तान जसविंद्र मीनू बेनीवाल और प्रधान महासचिव एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। खेलों में गड़बड़ी रोकने के लिए एचओए ने कड़ा कदम उठाया है। अब खिलाड़ियों को मिलने वाले सर्टिफिकेट पर माता-पिता का नाम, आधार नंबर और जन्मतिथि दर्ज

होगी। इससे नकली खिलाड़ियों की एंट्री पूरी तरह बंद होगी और मेहनत करने वाले असली खिलाड़ियों को ही लाभ मिलेगा। बैठक में पंचायत मंत्री पंवार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान 75 गांवों में व्यायामशालाएं और इंडोर स्टेडियम शुरू करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

साथ ही व्यापक स्वच्छता अभियान भी चलेगा। सरकार का मानना है कि इन पहलों से गांवों में खेल संस्कृति, स्वास्थ्य और स्वच्छता–तीनों को बढ़ावा मिलेगा।

ओलंपिक संघ अध्यक्ष मीनू बेनीवाल ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा खेलों में अपनी पहचान बनाई है। यहां के खिलाड़ियों ने ओलंपिक और एशियाई खेलों में देश को बार-बार मेडल दिलाए हैं।

ऐसे में 15 साल बाद लौट रहे हरियाणा ओलंपिक गेम्स युवाओं में नया उत्साह भरेंगे। यह आयोजन न सिर्फ प्रतियोगिता का बड़ा मंच बनेगा, बल्कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में खेलो हरियाणा - बढ़ो आगे के संदेश को भी मजबूत करेगा।

हरियाणा के इस गांव के नाम बदलने पर मचा घमासान, एसडीएम के पास पहुंचे ग्रामीणों

हरियाणा : हरियाणा में पिछले कुछ वर्षों से गांवों के नाम बदलने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस मुहिम का उद्देश्य गुलामी की मानसिकता दर्शाने वाले या असहज करने वाले नामों को बदलना है। इसी क्रम में सोनीपत जिले के दो गांवों गढ़ी उजाले खां और गढ़ी सराय नामदार खां के नाम बदले जाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, गढ़ी सराय नामदार खां गांव का नाम बदलने को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। गढ़ी सराय नामदार खां को "सुंदर नगर" बनाने का प्रस्ताव, ग्रामीणों ने जताया विरोध सोनीपत जिले का गांव गढ़ी सराय नामदार खां अब "सुंदर नगर" के नाम से जाना जा सकता है। मगर, इस नए नाम पर गांव दो गुटों में बंट चुका है। एक पक्ष का आरोप है कि सरपंच सुंदर सिंह अपने नाम से गांव का नाम रखना चाहते हैं, जबकि गांव का नाम किसी महापुरुष या बलिदानी के नाम पर रखा जाना चाहिए। सोमवार को ग्रामीण एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय से मिले और प्रस्तावित नाम पर कड़ा ऐतराज जताया। ग्रामीणों का कहना है कि बिना ग्राम सभा की बैठक के यह निर्णय लिया गया, जो पंचायत नियमों का उल्लंघन है। गांव में कई सुंदर हैं, राजनीति की जा रही हैः सरपंच गांव के सरपंच सुंदर सिंह ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि ग्राम सभा की बैठक बुलाकर ही नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि, "गांव में सुंदर नाम के कई लोग हैं। विरोध कर रहे लोग पंचायत चुनाव के समय से ही मेरे विरोधी हैं और अब इसे राजनीतिक रंग दे रहे हैं।" सरपंच ने उदाहरण देते हुए कहा कि पास के गांव गढ़ी उजाले खां का नाम कृष्ण नगर रखने का प्रस्ताव भी आया है। वहां के सरपंच के चाचा का नाम कृष्ण है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि गांव का नाम उन्हीं के नाम पर रखा जा रहा है। हरियाणा में अब तक दो दर्जन गांवों के नाम बदले जा चुके गौरतलब है कि हरियाणा में गांवों के नाम बदलने की यह प्रक्रिया कोई नई नहीं है। 2015 में फतेहाबाद की एक 12 वर्षीय बच्ची ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अपने गांव का नाम बदलने की मांग की थी क्योंकि उसका नाम गंदा था। इसके बाद उसका नाम बदलकर अजीत नगर कर दिया गया और यहीं से यह सिलसिला शुरू हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और वर्तमान सीएम नायब सैनी के कार्यकाल में अब तक करीब दो दर्जन गांवों के नाम बदले जा चुके हैं। बदले गए कुछ प्रमुख गांवों के नाम सोनीपतः धनाना अलादादपुर शिवनगरी, मोहम्दाबाद प्रेमसुख नगर यमुनानगरः बिलासपुर व्यासपुर, अलीपुरा आर्यपुरम भिवानीः दुर्जनपुर सज्जनपुर हिसारः ढाणी गारण हंसनगर महेंद्रगढ़ः अकबरपुर नांगल नांगल हरनाथ झज्जरः इस्लामगढ़ छुछकवास गुड़गांव भी बन चुका है गुरुग्राम गांवों के साथ-साथ एक जिले का नाम भी बदला जा चुका है। हरियाणा की साइबर सिटी गुड़गांव का नाम अब गुरुग्राम कर दिया गया है। यह बदलाव गुरु द्रोणाचार्य के सम्मान में किया गया था। इसके अतिरिक्त, हिसार के मोहम्मदपुर रोही का नाम भजनगढ़ रखने पर भी चर्चा चल रही है।

हरियाणा का एक ऐसा गांव, जो सुविधा के मामले में शहरों को दे रहा टक्कर

हरियाणाः हरियाणा के फतेहाबाद जिले के भट्टू कलां खंड का गांव मेहुवाला आज विकास, स्वच्छता और सामाजिक एकता का आदर्श उदाहरण बनकर उभरा है। यहां की जागरूक ग्राम पंचायत और ग्रामीणों के सहयोग से यह गांव न केवल मुख्यधारा से जुड़ा है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत आर्थिक एवं सामाजिक आधार भी तैयार कर चुका है। सरपंच ऊषा के नेतृत्व में पंचायत ने गांव के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, फिर चाहे वह जल निकासी की व्यवस्था हो, शिक्षा और खेल सुविधाओं का विकास या आर्थिक सशक्तिकरण। आइए, जानते हैं मेहुवाला के विकास की पूरी कहानी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर पंचायत वर्ष 2010 से 2015 के बीच गांव में बने एक गोदाम के लिए दी गई भूमि के बदले पंचायत को ड्ढ4.34 करोड़ की राशि प्राप्त हुई। यह पूरी राशि आज भी फिक्स्ड डिपॉजिट (ऋड्ड) के रूप में बैंक में सुरक्षित रखी गई है, जिससे पंचायत को ब्याज के रूप में नियमित आमदनी होती है। आधुनिक जल निकासी व्यवस्थागांव में ड्ढ1.71 करोड़ की लागत से फ्छ्ड पाइपलाइन द्वारा जल निकासी की आधुनिक व्यवस्था की गई है। इससे गांव में जलभराव की समस्या समाप्त हो गई है और सफाई व्यवस्था में भी सुधार आया है। शिक्षा और खेलों को बढ़ावा गांव में दो वातानुकूलित, कंप्यूटर युक्त लाइब्रेरी कक्ष बनाए गए हैं। दो एकड़ क्षेत्र में विकसित व्यायामशाला और पार्क युवाओं को पुलिस, फौज और खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। पेयजल संकट से निपटने की तैयारी गांव के जलघर और व्यायामशाला में बोरवेल व ट्यूबवेल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, ताकि नहरों में पानी न आने की स्थिति में भी पेयजल की कोई किल्लत न हो। पंचायत के पास दो मुफ्त पानी के टैंकर भी हर समय तैयार रहते हैं। बच्चों को सम्मान और प्रोत्साहन पंचायत द्वारा शिक्षा और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। हाल ही में, 12वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले में प्रथम आने वाली सरकारी स्कूल की छात्रा को पंचायत ने 11,000 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वीरता की पहचानः शहीद नरेंद्र सिंह और खेतपाल हुड्डा गांव को वीरों की धरती भी कहा जाता है। यहां के शहीद नरेंद्र सिंह और खेतपाल हुड्डा की वीरता को आज भी श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है। उनकी स्मृति में गांव में देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्वच्छता और सुंदरता में भी अव्वल गांव को करोड़ों रुपये की लागत से साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया गया है।

पंजाबी सिंगर परमीश वर्मा घायल, अंबाला में फिल्म 'शेरा' की शूटिंग में चली गोली, गाड़ी के कांच से चेहरे पर आई चोट

चंडीगढ़: पंजाबी फिल्म 'शेरा' की शूटिंग के दौरान लोकप्रिय गायक और अभिनेता परमीश वर्मा की गाड़ी पर गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद वे चंडीगढ़ लौट गए हैं। घटना के बाद फिलहाल फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है।सूत्रों के अनुसार, परमीश शूटिंग के दौरान अपनी कार में बैठे थे, तभी नकली गोली कार की खिड़की से टकराई, जिससे कांच का टुकड़ा टूटकर अभिनेता के चेहरे पर जा लगा। हालांकि अब तक किसी भी फिल्म यूनिट सदस्य ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन परमीश वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने लिखा, "यह हादसा फिल्म 'शेरा' के सेट पर हुआ। ईश्वर की कृपा से मैं बिल्कुल ठीक हूं।"

15 मई 2026 को रिलीज होगी फिल्म 'शेरा'

फिल्म शेरा की शूटिंग जोरों पर चल रही थी, जिसे अगले साल 15 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में परमीश वर्मा लीड रोल निभा रहे हैं और वे एक दमदार किरदार ह्यशेराह्ण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सावियो संधू कर रहे हैं, जो अपने प्रभावशाली लेखन और निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। एक्शन और इमोशन से भरपूर इस फिल्म में दर्शकों को गहरा ड्रामा और संघर्ष देखने को मिलेगा।

पहले भी गैंगस्टर हमले का शिकार हो चुके हैं परमीश वर्मायह कोई पहली बार नहीं है जब परमीश वर्मा को खतरे का सामना करना पड़ा हो। 13 अप्रैल 2018 की रात मोहाली में उन पर फायरिंग की गई थी, जिसमें एक गोली उनके पैर में लगी थी। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर दिलप्रीत बाबा ने ली थी।

जांच में सामने आया कि दिलप्रीत ने परमीश से 20 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। बाद में जुलाई 2018 में एक मुठभेड़ के बाद दिलप्रीत को गिरफ्तार कर लिया गया था। यह मामला अभी भी मोहाली कोर्ट में विचाराधीन है। यह घटना उस समय महत्वपूर्ण मानी गई क्योंकि यह पहली बार था जब पंजाब की म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री को गैंगस्टरों ने निशाना बनाया था।

महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मृति मंधाना फिर से बनीं नंबर 1

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़कर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया है।

बाएं हाथ की इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने 63 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली और इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर वह स्थान फिर से हासिल कर लिया है जो उन्होंने पहली बार जनवरी 2019 में हासिल किया था और हाल ही में इस साल जुलाई में हासिल किया था। शीर्ष पर यह उनका चौथा कार्यकाल है।

ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की और यह शानदार जीत उनकी खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी दिखाई दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज बेथ मूनी ने 74 गेंदों में नाबाद 77 रनों की पारी खेली जिससे वह तीन पायदान ऊपर चढ़कर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। एनाबेल सदरलैंड अपनी नाबाद 54 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त 25वें स्थान पर पहुंच गई। वह सलामी बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। फोएबे लिचफील्ड ने 80 गेंदों पर 88 रनों की पारी खेलकर 13 पायदान ऊपर चढ़कर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी।

मंधना के अलावा ताजासाप्ताहिक अपडेट में जिन भारतीय बल्लेबाजों को फायदा हुआ है उनमें ऋचा घोष शामिल हैं जो अपनी 25 रनों की पारी के बाद 39वें से 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल 96 गेंदों पर 64 रनों की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गई हैं। हरलीन देओल 57 गेंदों पर 54 रनों की पारी के बाद पांच पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की किम गार्थ और अलाना किंग क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सदरलैंड ने दो पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गई हैं। तीनों ने एक-एक विकेट लिया है। भारत की स्नेहा राणा पांच स्थान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम की मुख्य प्रयोजक बनी अपोलो टायर्स : बीसीसीआई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि दिग्गज कंपनी अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की नई मुख्य प्रायोजक बनी है। बोर्ड के अनुसार अपोलो ने प्रमुख प्रायोजक के रूप में ड्रीम 11 की जगह ली है। ऑनलाइन गैमिंग पर प्रतिबंध के बाद ड्रीम 11 को प्रायोजक से हटना पड़ा था। बीसीसीआई और अपोलो टायर्स के बीच ढाई साल के लिए करार हुआ है ये मार्च 2028 तक रहेगा। इस करार के अनुसार, अपोलो टायर्स का लोगो सभी प्रारूपों में भारतीय पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों की जर्सी पर रहेगा।

बीसीसीआई ने कहा कि अपोलो टायर्स पहली बार भारतीय क्रिकेट से जुड़ा है। बोर्ड ने का कि कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद अपोलों को ये करार मिला है। ये साझेदारी प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जो भारतीय क्रिकेट की व्यापक और बढ़ती व्यावसायिक अपील को प्रदर्शित करती है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रायोजक के रूप में आना हमारी टीमों की कड़ी मेहनत और निरंतर प्रदर्शन को दिखाता है। हम भारतीय क्रिकेट में अपोलो के प्रायोजन को लेकर उत्साहित हैं, जो इस खेल की अद्वितीय पहुंच और प्रभाव को दिखाता है। यह एक व्यावसायिक समझौते से कहीं बढ़कर है। यह दो संस्थानों के बीच एक साझेदारी है, जिन्होंने लाखों लोगों का विश्वास और सम्मान हासिल किया है।

वहीं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। यह एक अहम अवसर है, जो भारत की दो सबसे शक्तिशाली और स्थायी विरासतों भारतीय क्रिकेट की अटूट भावना और अपोलो टायर्स की अग्रणी विरासत, को एक साथ ला रहा है। ये बीसीसीआई और टीम इंडिया के वैश्विक ब्रांड में बाजार के मजबूत विश्वास को दिखाता है। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी आपसी विकास और सफलता के लिए प्रेरक साबित होगी।

वहीं अपोलो टायर्स लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नीरज कंवर ने कहा, टीम इंडिया का प्रमुख प्रायोजक बनना हमारे लिए सम्मान की बात है।

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करना बहुत बड़ा सम्मान: दलीप ट्रॉफी जीत के बाद बोले पाटीदार

बेंगलुरु (एजेंसी)। रजत पाटीदार ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इंडियन प्रीमियर लीग का पहला खिताब दिलाया था और हाल ही में दलीप ट्रॉफी जीतने में सेंट्रल जोन की मदद की। पाटीदार का मानना है कि इस अनुभव ने उनकी नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त विकास किया है। यह स्टार बल्लेबाज अब 30 सितंबर से शुरू हो रही ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच में भारत ए की कप्तानी करते हुए इसी सीख का लाभ उठाना चाहता है।

पाटीदार ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ सीरीज के लिए भारत 'ए' टीम की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि यह मेरे और टीम के लिए एक शानदार मौका है कि हम अपनी क्षमता का प्रदर्शन करें और अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हों।'

उन्होंने कहा, 'एक तरह से यह साल मेरे लिए निजी तौर पर बेहद खास रहा है, क्योंकि मैदान पर मेरी क्षमताओं को पहचाना गया और मुझे पुरस्कृत भी किया गया। इसकी शुरुआत प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मध्य प्रदेश राज्य टीम की कप्तानी से हुई और ऋष्ट्क्रने मुझे इस प्रतिष्ठित टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी। ट्रॉफी जीतना तो सोने पे सुहागा था और इस दौरान मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला जिसका मुझे आगे चलकर फायदा मिलेगा।'

पाटीदार ने आगे कहा, 'एक टीम के कप्तान के तौर पर यह इस बारे में है कि हम एक इकाई के रूप में कैसे एकजुट होते हैं और एक-दूसरे के लिए जान देने को तैयार रहते हैं। इस सीजन में RCB में हमारा यही सौहार्द और विश्वास था, जहां हम सभी ने एक-दूसरे के लिए कदम बढ़ाया और सफलता के लिए मिलकर काम किया। भारत 'ए' के खिलाफ होने वाले मैच में भी हम इसी तरह का रवैया अपनाना चाहेंगे। मैं उत्साहित हूं और नई चुनौती का इंतजार कर रहा हूं।'

विश्व चैंपियनशिप में अब नीरज चोपड़ा पर निगाह, खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे

तोक्यो (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा बुधवार को यहां क्वालीफिकेशन राउंड के साथ विश्व चैम्पियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे जिसमें उन्हें पाकिस्तान के ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम और जर्मनी के डायमंड लीग चैंपियन जूलियन वेबर की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। चोपड़ा का लक्ष्य पुरुष भाला फेंक में विश्व चैंपियनशिप में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने वाला तीसरा खिलाड़ी बनना होगा। नीरज चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में आयोजित की गई पिछली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। चेक गणराज्य के दिग्गज और वर्तमान में चोपड़ा के कोच जान जेलेंजी (1993, 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019, 2022) ने ही अब तक लगातार दो मौकों पर विश्व चैंपियनशिप का ताज जीता है। चोपड़ा 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार नदीम का सामना करेंगे जिससे उन्हें फ्रांस की राजधानी में दूसरे स्थान पर रहने का बदला लेने का मौका मिलेगा। नदीम ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा का उस दिन सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर था और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। चोपड़ा और नदीम का मुकाबला बुधवार को नहीं होगा क्योंकि दोनों प्रतिद्वंद्वियों को क्वालीफाइंग दौर में दो अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। गुरुवार को फाइनल में उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है। भारत के 27 वर्षीय खिलाड़ी के लिए स्वर्ण पदक जीतना आसान नहीं होगा लेकिन यह वही स्टेडियम है जहां उन्होंने 2021 में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा था। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर थ्रो के साथ प्रतिष्ठित 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था, लेकिन अन्य प्रतियोगिताओं में इस साल इस भारतीय सुपरस्टार ने कुछ औसत दूरी भी तय की है। वह दो प्रतियोगिताओं में 85 मीटर की दूरी पार करने में असफल रहे थे। इस वर्ष उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो 88.16 मीटर था। फॉर्म के लिहाज़ से वेबर स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदार हैं। इस 31 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने इस साल तीन बार 90 मीटर से ज्यादा की दूरी तक भाला फेंका है। पिछले महीने डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के बाद वह आत्मविश्वास से भरे होंगे।

अमन सहरावत अधिक वजन के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के लिए आयोग्य हुए

जगरेब ।ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान अमन सहरावत वजन वर्ग में अधिक पाये जाने के कारण विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में भाग नहीं ले पायेंगे ।अहम को इसके लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है ।अमन ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा में कांस्य पदक जीता था। गौरतलब है कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार विश्व कप, यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए दो किग्रा तक ज्यादा वजन ही स्वीकार्य होता है पर विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक जैसे टूर्नामेंटों में कोई राहत नहीं दी जाती है ।गौरतलब है कि तय मानक से अधिक वजन होने के कारण ही पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश फोगाट को खिताबी मुकाबले से ठीक पहले बाहर कर दिया गया था ।भारतीय दल के अनुसर अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं रख पाये ।उनका वजन 1700 ग्राम ज्यादा था जो स्वीकार्य नहीं था ।

आईसीसी ने मैच रैफरी को हटाने की मांग ठुकरायी, पीसीबी को करारा झटका

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को एशिया कप से हटाने की मांग ठुकरा दी है ।पीसीबी ने मैच रैफरी पर आचार संहित उल्लंघन का आरोप लगाया है ।उसका कहना है कि मैच रैफरी ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से कहा था कि वह भारतीय कप्तान से हाथ नहीं मिलाये ।इस मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली से हाथ नहीं मिलाया था। वहीं मैच खत्म होने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था और ड्रेसिंग रूम का दरवाजा भी बंद कर लिया था ।इसी को पीसीबी ने अपने खिलाड़ियों की बेइज्जती माना है ।पीसीबी इस मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और धमकी दी थी कि अगर मैच रैफरी को नहीं हटाया जाता है तो वह एशिया कप का बहिष्कार करेंगे। वहीं आईसीसी ने पीसीबी की उस अर्जी को खारिज कर दिया है ।एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी को बता दिया है कि मैच रैफरी को नहीं हटाया जाएगा ।पीसीबी, पाइक्रॉफ्ट की उस भूमिका से नाराज है, जिसमें उन्होंने सलमान को टॉस के दौरान भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कहा था ।

अभी दो बार फिर आमने-सामने का सकती हैं भारत-पाक टीम

दुबई ।एशिया कप में भारतीय टीम ने अपने दूसरे ही मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हरा दिया है ।भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई को हराया था ।इससे अब भारतीय टीम का सुपर फोर में पहुंचना तकरीबन तय हो गया है ।भारतीय टीम को आगे भी पाक से दो मैच खेलने पड़ सकते हैं ।भारतीय टीम को 19 सितंबर को अबुधाबी में अपना आखिरी लीग मैच ओमान से खेलना है ।इस मुकाबले को भारतीय टीम अगर जीत ले और पाकिस्तान अपने अंतिम लीग मैच में यूएई को हरा दे तो फिर भारत और पाकिस्तान की टीमें एक बार फिर 21 सितंबर को सुपर फोर मैच में आमने-सामने आ सकती हैं ।इसका कारण है कि एशिया कप ग्रुप ए की शीर्ष दो टीमों के सुपर फोर मैच उसी दिन खेले जाने हैं ।सुपर फोर मैच में भारत और पाकिस्तान की टीमें फिर दुबई में खेल सकती हैं ।वहीं अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें अगर सुपर फोर मैच में शीर्ष 2 में रहती हैं तो ऐसी स्थिति में 28 सितंबर को फाइनल में एक बार फिर इन्हें खेलना पड़ सकता है ।. दोनो ही टीमें अभी ग्रुप ए की अंकतालिका में पहले और दूसरे नंबर पर हैं ।भारतीय टीम के दो मैचों से चार अंक हैं वहीं पाकिस्तान के दो मैचों में दो अंक हैं। भारत ने जहां पहले मैच में यूएई वहीं पाक ने ओमान को हराया।

ऑस्ट्रेलिया खिलाफ सीरीज में वापसी करना चाहेगी भारतीय टीम

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। इसमें कोई शक नहीं कि असली परीक्षा यहीं से शुरू होगी। पहले वनडे में आठ विकेट से शानदार जीत के बाद, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम एक और सीरीज जीत के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। भारत के खिलाफ पिछले दस मुकाबलों में से नौ में जीत, और कुल 57 में से 47 में जीत। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जो चैंपियन होने का प्रमाण देता है।

भारत को नजरअंदाज मत कीजिए। वे पहले मैच में भले ही जीती न हो, लेकिन हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे हैं। स्मृति मंधाना और युवा प्रतिका रावल ने शीर्ष क्रम में 117 रनों की शानदार साझेदारी करके एक आक्रामक स्कोर की नींव रखी। मंधाना के कवर पर लगाए गए शानदार ड्राइव और रावल के तेज गेंदबाजों के सामने संयम ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। हरलीन देओल ने शानदार अर्धशतक लगाकर स्कोरबोर्ड को गतिमान रखा और दिखाया कि भारत में ऑस्ट्रेलिया को हराने की क्षमता है।

हरमनप्रीत के एनाबेल सदरलैंड की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट होने सहित कई विकेट गिरने से भारत की बढ़त थम गई। ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने उपयोगी प्रदर्शन किया, लेकिन 281 के लक्ष्य के लिए मैदान पर हमेशा ही तेज प्रदर्शन की जरूरत होती है और यहीं पर बात बिगड़ गई। चार कैच छूटने और कुछ बेतरतीब गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को अपनी रणनीति बनाने की आजादी दे दी।

21 साल की फोबे लिचफील्ड जगह की मालकिन लग रही थीं। उन्होंने पिच को सपाट और गेंदबाजी को बेअसर बना दिया, 80 गेंदों पर 88 रन ठोक डाले, तेज और स्पिन दोनों के खिलाफ पूरी ताकत से खेली। बेथ मूनी ने शांतचित्त होकर नाबाद 77 रनों की पारी खेली, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शांत और कुशल बल्लेबाजी करते हुए बिना किसी नाटकीय अंदाज के लक्ष्य हासिल कर लिया। एलिस पेरी का रिटायरमेंट का दर्द भी ऑस्ट्रेलिया को नहीं रोक सका, उनकी टीम में इतनी मजबूती है।

दूसरे मुकाबले में भारत को पहली गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाना होगा। हरमनप्रीत को बल्ले से अगुवाई करनी होगी। उनके रन मंधाना, रावल और देओल को मजबूती से आगे बढ़ा सकते हैं। जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा को बीच के ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के दबाव का सामना करना होगा। गेंद पर दीप्ति शर्मा का नियंत्रण, स्नेह राणा का ऑलराउंड प्रदर्शन और क्रांति गौड़ का विकेट लेने का हुनर अहम हैं। अगर उन्हें लिचफील्ड और मूनी पर लगाम लगानी है तो उन्हें संयम बनाए रखना होगा और अपनी लेंथ पर गेंद फेंकनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए रणनीति सरल है। वही करते रहो जो वे सालों से करते आ रहे हैं। एलिसा हीली की आक्रामक शुरुआत, पेरी का क्लास, गार्डनर का ऑलराउंड प्रदर्शन और सदरलैंड का बढ़ता कद उन्हें एक ऐसी टीम बनाता है जिसमें कोई कमी नहीं दिखती। अलाना किंग की चतुराई भरी स्पिन और जॉर्जिया वेयरहैम की विविधता को इसमें जोड़ दें तो वे हर विभाग में दबदबा बना सकते हैं। क्रिकेट के एक बेहतरीन दिन के लिए परिस्थितियां तैयार दिख रही हैं। चमकीला आसमान, 30एष्ट तापमान और पिच हर किसी के लिए कुछ न कुछ देती है। शुरुआत में अच्छी उछाल, तेज गेंदबाजों के लिए कुछ और खेल आगे बढ़ने के साथ थोड़ा टर्न भी। आउटफील्ड तेज है इसलिए अगर बल्लेबाज बहादुरी से खेलते हैं तो रन जरूर बनेंगे।

गौर है कि भारत के लिए सीरीज दांव पर है इसलिए उनसे जोरदार वापसी की उम्मीद हैं। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य जीत का दरवाजा बंद करके अपनी चमक बरकरार रखना होगा। यह इरादे कौशल और दबाव से भरपूर एक मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एक असली भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मुकाबला और जैसा कि कहा जाता है, जब ये दोनों टीमें मिलती हैं तो चिंगारी उड़ती है।

शोएब अख्तर ने पाक कप्तान पर कसा संज सूर्यकुमार की प्रशंसा की

लाहौर ।पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाक टीम के कप्तान सलमान अली पर निशाना साधा है ।अख्तर ने सलमान पर तंज कसते हुए उन्हें आइंस्टीन तक कह दिया ।अख्तर ने कहा कि आगा ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच में पहले बल्लेबाजी कर सबसे बड़ी गलती की थी ।इस पूर्व तेज गेंदबाज के अनुसार आगा ने पहले बल्लेबाजी चुनी थी जबकि हालातों के अनुसार उनको पहले गेंदबाजी लेनी थी ।शोएब ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के रवैये की जमकर प्रशंसा की ।इस मैच में भारतीय टीम ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। पाकिस्तान की टीम ने 127 रन 9 विकेट बनाये। वहीं भारतीय टीम ने 16वें ओवर में ही 128 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में पाक बल्लेबाज भारतीय स्पिनरों के आगे बेबस नजर आये ।कुलदीप यादव ने 3 और अक्षर पटेल ने 2 विकेट लिए ।अख्तर के अनुसार दुबई की पिच स्पिनरों की सहायता कर रही है और लक्ष्य का पीछा करना आसान था पर आगा ने इसके बाद भी पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। अख्तर ने एक वीडियो में कहा, 'उनको शुभकामनाएं ।सूर्यकुमार ने पूरी पिच रिपोर्ट पहले ही बना ली थी ।उसने कहा, बाद में ओस गिरेगी ।ऐसे में बल्लेबाजी आसान होती है ।हमारी बल्लेबाजी लंबी है। हम लक्ष्य का पीछा ही करना चाहते थे ।हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे पर हमारे आइंस्टीन ने कहा कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी है ।' इस मैच की दूसरी गेंद पर ही पाक का पहला विकेट गिर गया था ।इसके बाद पाक टीम संभल नहीं पाई, जबकि पूरे मैच को भारतीय टीम हावी रही।

डुप्लांटिस ने 14वीं बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, लगातार तीसरा विश्व खिताब जीता

टोक्यो (एजेंसी)। वह कूद पड़ा, वह चिल्लाया, उमस भरी सोमवार की रात टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में 50,000 से ज्यादा दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उसने अपनी बाहें फैला दीं। आर्मंड डुप्लांटिस ने फिर जीत हासिल की। और एक बार फिर, उसने विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। फरवरी 2022 के बाद से यह 14वीं बार था जब इस स्वीडिश खिलाड़ी ने पुरुषों की पोल वॉल्ट में विश्व रिकॉर्ड को फिर से बनाया, जब यह 'सिर्फ' 6.17 मीटर था।

विश्व खिताब तो आसानी से मिल गया था। डुप्लांटिस ने 5.75, 5.85, 5.95, 6.00 और 6.10 मीटर की दूरी आसानी से पार करने के बाद, पहले ही प्रयास में 6.15 मीटर की ऊंचाई पर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। लेकिन रिकॉर्ड ऊंचाई की बात ही कुछ और थी। डुप्लांटिस ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, मैं इसे बयां नहीं कर सकता। मुझे लगा कि जापान छोड़ने का एकमात्र तरीका विश्व रिकॉर्ड बनाना ही है।'

हर असफल प्रयास ने उनके आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया। पहली कोशिश में, उन्होंने लगभग बार पार कर लिया; दूसरी कोशिश में, बार डगमगाया, लेकिन गिरने से पहले आखिरी क्षण तक टिका रहा। आखिरकार, अपने तीसरे प्रयास में, डुप्लांटिस 6.30 मीटर से ऊपर पहुंच गए - जो कि सिर्फ 27 दिन पहले उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर ज्यादा था। उन्होंने बताया, 'यही मेरी मानसिकता थी। मुझे पता था कि मेरे पास रिकॉर्ड है। जैसे ही मैं उड़ान भरता हूं - जमीन से हवा में कदम रखते ही - मुझे पता चल जाता है कि मेरी छलांग सही रहेगी या नहीं। मुझे पता चल जाता है कि मैंने पर्याप्त ऊर्जा लगाई है या नहीं, या यह वास्तव में कारगर नहीं होगा।'

सिर्फ 25 साल की उम्र में डुप्लांटिस ने सब कुछ जीत लिया है। चार साल पहले टोक्यो के इसी स्टेडियम में, लेकिन महामारी के कारण खाली सीटों के सामने, उन्होंने ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। तब से उन्होंने यूजीन और बुडापेस्ट में विश्व खिताब जीते हैं, पेरिस में दूसरा ओलंपिक खिताब जीता है और अब एक और विश्व चैंपियनशिप जीत ली है, हर बार रिकॉर्ड को और ऊंचा करते हुए। टोक्यो में इस रात ने इस खेल के महानतम खिलाड़ी के रूप में उनकी विरासत को और मजबूत किया, जहां माहौल उनके प्रदर्शन से मेल खाता था। मुझे उस समय विश्व चैंपियनशिप जीतने पर गर्व है जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। विश्व रिकॉर्ड बनाना एक बोनस है।'

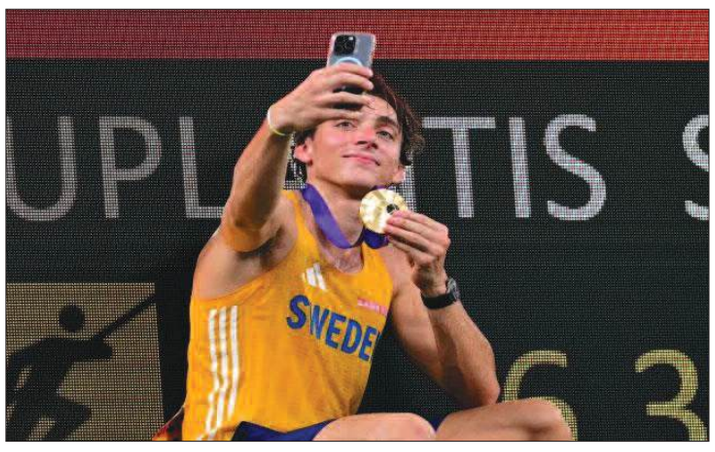

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे लिए कोई सीमा नहीं है। शायद मुझे ही पता चलेगा कि पोल वॉल्ट में असल में सीमा क्या है। आज का मुकाबला लगभग एक स्वप्निल प्रतियोगिता थी।' डुप्लांटिस और बाकी प्रतियोगियों के बीच का अंतर बहुत बड़ा था। ग्रीस के इमैनुएल करालिस ने 6.00 मीटर पर रजत पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के कुर्टिस मार्शल ने 5.95 मीटर पर काउंटबैक में कांस्य पदक जीता। 2012 के ओलंपिक चैंपियन और पूर्व विश्व रिकॉर्ड धारक, फ्रांस के रेनॉड लाविल्लेनी 5.75 मीटर के साथ आठवें स्थान पर रहे। मार्शल, जो दो साल पहले बुडापेस्ट में भी कांस्य पदक जीत चुके हैं, के लिए इस पल का हिस्सा बनना अपने आप में एक सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा, 'यह एक अद्भुत रात थी। मेरा मानना है कि यह इतिहास की सबसे उच्च स्तरीय प्रतियोगिता थी।'

ईडी ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मामले में पूर्व क्रिकेटर उथप्पा को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली ।पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं ।प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में उथप्पा को 22 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार उथप्पा को एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया है। इससे पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ हुई थी। इस प्रकार उथप्पा इस मामले में फंसे तीसरे क्रिकेटर हैं। इसके अलावा इस मामले में पूर्व टीएमसी सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया है। वहीं बंगाली फिल्मों के अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए ।इस मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी बुलाया गया है ।ईडी अवैध सट्टेबाजी ऐप्स से संबंधित मामले में कई लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी के साथ ही कर चोरी के मामले में भी पूछताछ कर रही है ।वहीं आरोपी कंपनी के अनुसार, वह एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त फर्म है, जो सट्टेबाजी कारोबार में डेढ़ दशक से काम कर रही है ।कंपनी के अनुसार, इस ब्रांड के ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं और कंपनी की वेबसाइट और ऐप 70 भाषाओं में उपलब्ध है ।वहीं पिछले माह भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी गेम्स को प्रतिबंधित कर दिया गया था ।इसी कारण ड्रीम 11 को भी भारतीय टीम के प्रायोजक से हटा दिया गया था ।

मैंने इनकार करना सीखा है

हेट स्टोरी-2, अग्ली जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं सुरवीन चावला ने सेक्रेड गेम्स, क्रिमनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में रहीं सुरवीन ने अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को लेकर बातें की हैं।

सुरवीन ने कहा कहते हैं ना कि इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे नियंत्रण में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है। अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना। पर्दे पर इस रूप, रंग और अंदाज में मुझे पहले कभी नहीं देखा गया है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार कुछ अलग लेकर आऊं। गोपी पुथरण सर (लेखक निर्देशक) की फिल्म मर्दानी बहुत पसंद थी। वह अपने प्रोजेक्ट में औरतों को सशक्त रूप में पेश करते हैं। उनकी कहानियों में महिलाओं को पावरफुल रोल्स ही मिलते हैं। यह पहला मौका है, जब मैं किसी पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं। अनन्या भारद्वाज बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला है, जो कि बहुत कुछ करना चाहती है। उस किरदार को मैं ब्लैक एंड वाइट तो नहीं बोल सकती लेकिन वह पूरी तरह से ग्रे भी नहीं है।

मंकी इन ए केज फिल्म को नजरअंदाज करना मुश्किल

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) के स्पेशल प्रेजेंटेशंस सेक्शन में फिल्म मंकी इन ए केज को प्रदर्शित किया गया। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म में सबा आजाद ने मुख्य भूमिका निभाई। अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की। सबा आजाद ने बताया कि उनके किरदार खुशी को निभाने के लिए उन्हें एक जटिल और नैतिक रूप से पेचीदा दुनिया में कदम रखना पड़ा।

उन्होंने कहा, अभिनय का मतलब यह नहीं है कि हमें उन सभी अनुभवों से गुजरना पड़े जो हमारे किरदारों ने किए हैं, बल्कि यह है कि हम उन पात्रों के साथ सहानुभूति कर सकें, चाहे वे कितने भी नैतिक रूप से उलझे हुए हों। मैंने खुशी के किरदार के साथ-साथ सहानुभूति रखने की पूरी कोशिश की। सबा ने आगे कहा कि अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों के मन में लंबे समय तक रहती हैं। न्होंने कहा, अनुराग कश्यप की फिल्में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ती हैं। दर्शक जब थिएटर से बाहर निकलते हैं तो उनके दिमाग में फिल्म की कहानी का असर होता है। यह भी ऐसी ही फिल्म है, जो जरूर चर्चा पैदा करेगी और अलग-अलग लोगों में विरोधाभासी भावनाएं जगाएगी। लोग इसे पसंद करेंगे, हो सकता है कुछ लोग इसे नापसंद भी करें, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं कर पाएंगे। ल्म में बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे कलाकार भी हैं।

मंकी इन ए केज एक संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म है, जो एक सुपरस्टार पर लगे रेप के आरोप और इसके आसपास के सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को दिखाती है। देओल के साथ अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में सबा ने बताया कि उनकी शुरुआत में सामान्य बातचीत हुई, लेकिन जैसे-जैसे काम करना जारी रखा, उनकी बॉन्डिंग और भी मजबूत हो गई। उन्होंने बॉबी की तारीफ करते हुए कहा, बॉबी एक बड़े दिल वाले कलाकार हैं, वह फिल्म में पूरी ईमानदारी के साथ अपना किरदार निभाते हैं। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था।

लक्ष्मी मांचू ने अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू उस समय सुर्खियों में आ गई थीं, जब उन्हें ईडी द्वारा समन भेजा गया था। जांच एजेंसी के अनुसार इनपर कथित तौर पर अवैध तरीके से पैसा जुटाने वाले ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट देने का आरोप था। इसी के बाद से एक्ट्रेस विवादों में घिर गई थीं। अब उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

लक्ष्मी मांचू ने अपने ऊपर चल रहे बेटिंग एप मामलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यह ईडी की बैठक है। मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि हमारी सरकार उस व्यक्ति के पीछे पड़ जाएगी। मैं सोचती हूं, भाई देखो तो इसकी शुरुआत किसने की थी।

केस को गलत तरीके से पेश किए जाने पर निराश

आगे उन्होंने कहा, मैं बहुत परेशान थी, क्योंकि लोग कुछ भी बोलते हैं, हमने जो किया वो कुछ और है। बेचारे, वो तो सच में इस बात की जांच कर रहे हैं कि पैसा कहां जा रहा है। 100 और सेलिब्रिटीज ऐसा करते हैं। वो मुझे कोई और सेलिब्रिटी दिखाते हैं, जिसने ऐसा किया है और फिर मेरे पास आते हैं, है ना? ये तो बस एक मिनट की बात है।'

इन एक्टर्स पर लगे आरोप

ईडी इन दिनों ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए अवैध तरीके पैसा जुटाने मामले पर जांच कर रही है। इसी मामले के तहत लक्ष्मी मांचू के अलावा राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज और विजय देवरकोंडा जैसी कई हस्तियां जांच के दायरे में आए थे। ईडी के सोर्स के अनुसार इन सेलिब्रिटी पर जंगली रम्मी, जीतविन, लोटस365 जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स को सपोर्ट करने का शक था। हालांकि, कई एक्टर्स ने इन एप्स का प्रचार भी किया था। सूत्रों के अनुसार ही बैटिंग प्लेटफार्म पर अवैध सट्टेबाजी और जुए के जरिए से करोड़ों रुपये का अवैध पैसा हासिल किया गया है। अभी भी इसकी जांच चल रही है।

शाहिद कपूर ने शुरू की कॉकटेल 2 की शूटिंग

कृति-रश्मिका भी आएंगी नजर

साल 2012 में आई फिल्म कॉकटेल ने अपनी कहानी, म्यूजिक और स्टारकास्ट से दर्शकों का दिल जीता था। अब निर्देशक होमी अदजानिया इसका सीक्वल लेकर लौट रहे हैं, जिसमें इस बार नजर आएंगे शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना। कॉकटेल 2 को लेकर जब से अपडेट आया है तब से ही इन सितारों के फैंस काफी एक्साइटेड हैं।

कृति और रश्मिका की एंट्री

फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना भी नजर आने वाली हैं। कृति सेनन इससे पहले भी शाहिद के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में दोनों के काम को पसंद किया गया था। वहीं, रश्मिका मंदाना अपनी ताजगी और चार्म से दक्षिण भारत के साथ-साथ हिंदी दर्शकों के बीच भी लोकप्रियता हासिल कर चुकी हैं। तीनों कलाकारों का एक साथ आना फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यूरोप और भारत में होगी शूटिंग

फिल्म की शूटिंग भारत के अलग-अलग हिस्सों और यूरोप के खूबसूरत लोकेशन्स पर की जाएगी। माना जा रहा है कि कॉकटेल केवल कहानी और किरदारों की वजह से ही नहीं, बल्कि अपने शानदार बैकग्राउंड और विजुअल ट्रीटमेंट से भी सभी को हैरान कर सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का शेड्यूल जनवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

होमी अदजानिया ही करेंगे डायरेक्ट

हाल ही में निर्देशक होमी अदजानिया की पत्नी और सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अनैता श्रॉफ अदजानिया ने सोशल मीडिया पर फिल्म की स्क्रिप्ट की एक झलक साझा की थी, जिसमें वर्क इन प्रोसेस हैशटैग लिखा था। इसके बाद से ही लोगों को इस फिल्म की शुरुआत का अंदाजा हो गया था।

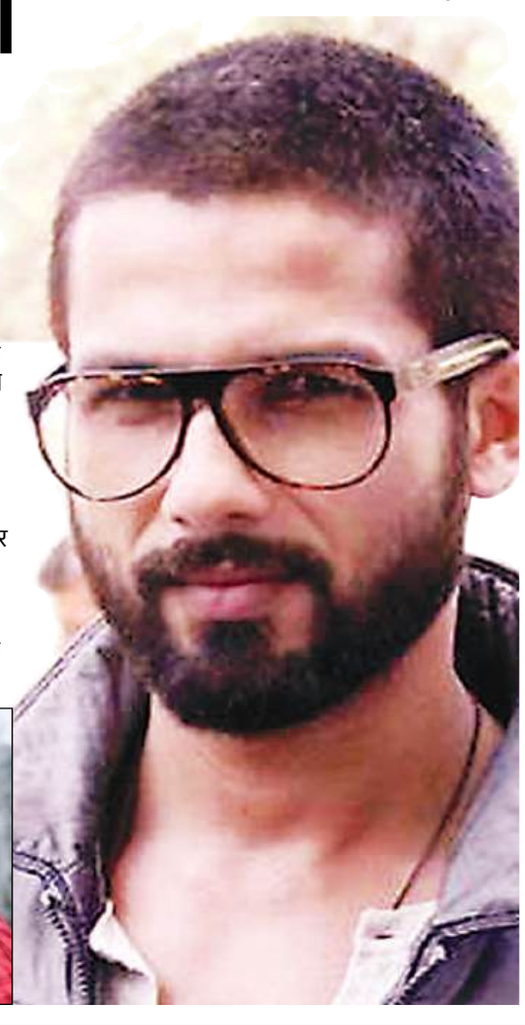

दिल से बनी कहानियां ही परदे पर टिकती हैं...

मोहित सूरी कहते हैं... सैय्यारा कहानी हमने खुद को दर्शकों से अलग रखकर नहीं बनाई। इसमें पहले प्यार के जज्बात, स्ट्रॉन्ग कमिटमेंट और हमारी अपनी सोच का मेल है। यह एक कंप्लीट कहानी है। फिलहाल इसके सीक्वल पर कोई चर्चा नहीं हुई लेकिन इसने इंडस्ट्री के विश्वास को जरूर मजबूत किया है। कोविड के बाद जब हर कोई बड़े बजट की एक्शन फिल्में बना रहा था, हेलिकॉप्टर उड़ रहे थे, इमारतें गिर रही थीं। मुझे अचानक एहसास हुआ कि इस दौड़ में कहीं असली इमोशन खो गया है। मैंने भी एक्शन फिल्म बनाई थी और खुद को उसी भीड़ में खोया पाया। तभी सोचा कि क्यों न वह करूं, जो बाकी नहीं कर रहे। मैंने अपने असिस्टेंट्स संकल्प सदाना और रोहन शंकर को बुलाया और अपने दिल में पल रहे एक विचार पर काम शुरू किया। तब हमारे पास कोई प्रोड्यूसर तक नहीं था।

पठान की सफलता के बाद आदित्य चोपड़ा एक लव स्टोरी की तलाश में थे

दिलचस्प किस्सा है कि जब मोहित ने यह स्क्रिप्ट आदित्य चोपड़ा को सुनाई तो वह तुरंत कनेक्ट हो गए। मोहित कहते हैं... आदित्य सर उस वक्त पठान जैसी बड़ी एक्शन फिल्म बना चुके थे और टाइगर जैसी फ्रेंचाइजी पर काम कर रहे थे। फिर भी उनका विजन था कि अब एक नई तरह की लव स्टोरी बनाई जाए। उन्होंने खुद बताया कि वह तीन-चार साल से एक अच्छी लव स्टोरी की तलाश में थे। दिल से बनाई गई चीज ही दर्शक ढूंढते हैं।

दूसरों के मापदंडों पर चला तो असफल रहा...

मोहित खुद 21 साल से अपनी पत्नी के साथ हैं और मानते हैं कि रिश्तों की अहमियत उनकी फिल्मों में झलकती है। उन्होंने कहा... मेरी मां के न होने की वजह से शायद मैं रिश्तों को ज्यादा गहराई से समझता हूं। इसीलिए मेरी कहानियों में नायक भले आवारा दिखें, पर वे कभी भी कमिटमेंट से नहीं भागते। अपनी फिल्मों के अनुभव पर वह कहते हैं... जब-जब मैंने दूसरों के मापदंडों पर चलने की कोशिश की, मैं असफल हुआ लेकिन जब मैंने अपनी भावनाओं और अनुभवों से कहानियां बनाई, तब वह चलीं। फिल्मों का सच यही है, जितना व्यक्तिगत और ईमानदार आप होंगे, उतना ही दर्शक जुड़ेंगे।

मैं दर्शकों से खुद को अलग नहीं रखता...

अपनी ऑडियंस अप्रोच पर मोहित का कहना है कि वह खुद को दर्शकों से अलग नहीं रखते। वे कहते हैं... मैं कोई बिजनेसमैन नहीं हूं कि सोचें किस वर्ग को टारगेट करना है। अगर कोई कहानी मुझे छूती है, तो मैं मानता हूं कि वह दर्शकों को भी छुएगी। इस फिल्म में हमने कोई कैलकुलेशन नहीं की, बस वही किया जो दिल को सही लगा।

सीक्वल पर कोई चर्चा नहीं हो रही है...

सैय्यारा की अपार सफलता के बावजूद मोहित का कहना है, अभी तक सीक्वल पर कोई चर्चा नहीं हुई है। यह अपने आप में पूरी कहानी है। आदि सर भी ऐसे नहीं हैं कि तुरंत सीक्वल का सोचें। उनके साथ जो बातचीत होती है, वह हमेशा इमोशनल और मॅटरिंग लेवल पर होती है।

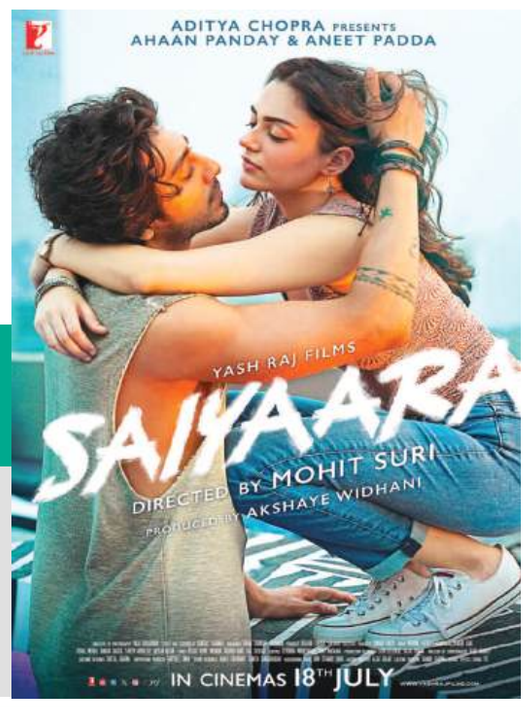

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।